RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

वर्ष : 27 अंक : 86 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 18 मार्च, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

40 परिवारों ने दी संसद भवन के सामने आत्मदाह की चेतावनी

मेरठ (एजेंसी)। मवाना तहसील क्षेत्र के गांव जलालपुर जोरा के अनुसूचित जाति के 40 परिवारों ने कलेक्ट्रेट पर धरना दिया। इन सभी का आरोप है कि गांव के कुछ दबंग लोगों ने उनकी जमीन पर काफी समय से कब्जा किया हुआ है, जबकि खतौनी में उनका नाम दर्ज है। जिला प्रशासन और पुलिस की मिलीभगत से यह सब हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 27 मार्च तक उनकी जमीन से कब्जा नहीं हटता है तो सभी 40 परिवार संसद भवन के सामने पहुंचकर आत्मदाह कर लेंगे।

जलालपुर जोरा के ग्रामीणों ने डीएम वीके सिंह को ज्ञापन दिया। ग्रामीणों ने बताया कि उनकी जमीन पर गांव के 10-15 दबंगों ने कब्जा किया हुआ है। कई बार तहसील की टीम यहां पहुंची और जमीन की माप करके निशान लगा गई, लेकिन आरोपी कब्जा नहीं छोड़ते हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, मवाना तहसील के अधिकारियों को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई नहीं सुन रहा है।

बताया कि गांव में चकबंदी आने वाली थी, लेकिन दबंगों ने नहीं आने दी। इस कारण अभी तक अनुसूचित जाति के लोगों को उनकी जमीन नहीं मिल रही है। यदि चकबंदी आ जाती तो उनकी जमीन उन्हें मिल जाती। डीएम वीके सिंह ने बताया कि जलालपुर में जो जमीन का प्रकरण चल रहा है, उसकी जांच के लिए टीम का गठन किया जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अजय कुमार, इंदल, बिजेंद्र, पोपीन, बबलू, माया, राजबीर, सुंदर, विजय, बबीता, नीरज, सुंदरी, पवन, राजू, सूरज आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ से निकला एकता का अमृत : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी मंगलवार को लोकसभा में महाकुंभ के आयोजन पर बोले। उन्होंने धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आज मैं इस सदन के माध्यम से देशवासियों को नमन करता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ है। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है.. मैं सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देश भर के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश व विशेष रूप से प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं।

पीएम मोदी ने इस दौरान इस आयोजन में योगदान देने वालों का कहा कि युवा पीढ़ी भी पूरे भाव से महाकुंभ से जुड़ी। महाकुंभ पर सवाल उठाने वालों को जवाब मिला है। देश के कोने-कोने में आध्यात्मिक चेतना उभरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ को भारत के इतिहास में अहम मोड़ करार देते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि दुनिया ने देश के विराट स्वरूप को देखा और यह 'सबका प्रयास' का साक्षात स्वरूप था। उन्होंने निचले सदन में प्रयागराज महाकुंभ को लेकर दिए एक वक्तव्य में यह भी कहा कि महाकुंभ से 'एकता का अमृत' और कई अन्य अमृत निकले हैं।

उनका कहना था, ''मैं देश के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश की जनता और विशेषकर प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं।'' उन्होंने कहा कि जिस तरह से गंगा को लाने के लिए भगीरथ प्रयास हुआ था उसी तरह का महाप्रयास महाकुंभ में दिखाई दिया। प्रधानमंत्री का कहना था, ''मैंने लाल किले से 'सबका प्रयास' पर जोर दिया था। पूरे विश्व ने महाकुंभ के माध्यम से भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। 'सबका प्रयास' का यही साक्षात स्वरूप है।''

पीएम बोले- महाकुंभ ने हमारे सामर्थ्य से जुड़ी शंकाओं और आशंकाओं का उचित जवाब दिया

उन्होंने कहा, ''महाकुंभ में हमने अपनी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए हैं। यह हमें नए संकल्पों की सिद्धि के लिए प्रेरित करती है।'' मोदी ने कहा, ''महाकुंभ ने उन शंकाओं और आशंकाओं को उचित जवाब दिया है जो हमारे सामर्थ्य को लेकर कुछ लोगों के मन में रहती हैं।''

उन्होंने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं और एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र से, हर कोने से आए लोग एक हो गए और 'अहम्' त्याग कर 'वयम्' के भाव से प्रयागराज में जुटे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''देश के इतिहास में कई ऐसे पल आए हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी और देश को झकझोर कर जागृत कर दिया।''

उप्र में 32 आइपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ (एजेंसी)। शासन के निर्देश पर डीजीपी मुख्यालय ने उत्तर प्रदेश में 32 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। आईजी प्रीतिन्दर सिंह को तैनाती मिली है। अब तक वे प्रतीक्षारत में चल रहे थे। इस क्रम में हेमंत कुटियाल को पुलिस उप महानिरीक्षक सेनानायक, विशेष परिक्षेत्र सुरक्षा, लखनऊ के साथ-साथ अतिरिक्त प्रभार कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं मुख्यालय, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, एसएसएफ, लखनऊ की अतरिक्त जिम्मेदारी मिली है। वहीं शालिनी को पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक, 41वीं वाहिनी पीएसी, गाजियाबाद से पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी अनुभाग, मुरादाबाद बनाया गया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक सेनानायक, 49वीं वाहिनी पीएसी, गौतमबुद्धनगर में तैनात स्वप्निल ममगाई को पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी अनुभाग, मेरठ बनाया गया है। वहीं डी. प्रदीप कुमार को पुलिस उपमहानिरीक्षक सेनानायक, 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र से पुलिस उपमहानिरीक्षक/अतिरिक्त सचिव, उप्र पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड, लखनऊ की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अरुण कुमार श्रीवास्तव को पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक, 10वी वाहिनी पीएसी बाराबंकी से पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी अनुभाग, अयोध्या की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सूर्यकांत त्रिपाठी को पुलिस उपमहानिरीक्षक पुलिस (शेष -3 पर)

8.2 करोड़ के बकायेदारों पर लटकी भूखण्ड निरस्तीकरण की तलवार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-51 तथा 151 में 9 बकायेदार आवंटियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इन आवंटियों पर नोएडा प्राधिकरण का करीब 8.2 करोड़ से अधिक रूपये की देनदारी है।

इस क्रम में सेक्टर-51 स्थित डी-143 के नरेश गगेरना पर 2558972 रूपये, सेक्टर-151 के आवंटी आकाश शर्मा पर 9499599 रूपये, अनीता गर्ग पर 35039962 रूपये, प्रखर सिंघल पर 26196270 रूपये, अरविंद कुमार पर 215323 रूपये, राजशी पर 403640 रूपये, नरेश नाथ पर 1392514रूपये, नरेश कुमार पर 2134267 तथा अफ्सान रेहान पर 456547 रूपये बाकी है। इस तरह सभी 9 आवंटियों पर नोएडा प्राधिकरण का 82006022 रूपये बाकी है।

नौएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों की समीक्षा की गयी। समीक्षा में आवासीय भूखण्ड विभाग में पूर्व से आवंटित भूखण्डों के आवंटनोपरान्त आवंटी द्वारा भू-उपयोग न किये जाने एवं लम्बे समय से भूखण्ड के सापेक्ष देयताओं का भुगतान न किये जाने की स्थिति को संज्ञान में लिया गया।

समीक्षा में मुख्य कार्यपालक अधिकारी को यह जानकारी उपलब्ध करायी गयी कि जिन आवंटियों द्वारा देयताओं का भुगतान नही किया जा रहा है, माह जनवरी 2025 के उपरान्त ऐसे 09 आवंटियों को नोटिस प्रेषित किये गये है। जिनके सापेक्ष लगभग रू0 8.2 करोड़ का भुगतान विभाग को अभी प्राप्त होना है। यदि संदर्भित आवंटियों द्वारा नोटिस में निर्दिष्ट दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुये भुगतान की कार्यवाही नही करायी जाती है तो संदर्भित भूखण्ड के आवंटन के निरस्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने निर्देश दिये कि इस प्रकार की नोटिसो को शीघ्रता से प्रेषित कराकर देयताओं का भुगतान कराने/भू-उपयोग किये जाने की कार्यवाही करायी जाये, अन्यथा की दशा में आवासीय भूखण्ड के आवंटन के निरस्तीकरण की कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करायी जाये

ई-चार्जिंग स्टेशन नहीं मिला तो होगी कार्रवाई

नोएडा (चेतना मंच)। यदि बड़े भूखंडों पर ई-चार्जिंग स्टेशन नहीं मिले तो आवंटियों पर होगी कड़ी कार्रवाई। यह निर्देश नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने दिये हैं।

शहर में बढ़ रही ई-वाहनों की संख्या और पर्यावरण को सरक्षित रखने के लिए प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाया है। अब प्राधिकरण अफसर दो हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल से बड़े प्लॉट की मौके पर जांच करेंगे। जांच में चार्जिंग स्टेशन के चालू नहीं होने पर आवंटी को जारी अधिभोग प्रमाण पत्र (ओसी) निरस्त कर दिया जाएगा। सोमवार को सीईओ डॉ. लोकेश एम ने ऐसे सभी प्लॉट के निरीक्षण कर ई-चार्जिंग व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किए हैं। यदि शर्तों का पालन नही होता है तो भूखंड रदद करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। इतना ही नही 300 या उससे अधिक वर्ग मीटर के आवासीय भूखंडों के लिए भी रेन वटर हार्वेस्ट सिस्टम लगाने की शर्त लगाई है।

प्राधिकरण की और से जारी प्रेस रीलिज ने बताया कि अधिभोग प्रमाणपत्र (ओसी) में ई-चार्जिंग व्यवस्था की शर्त शामिल है। मौके पर अगर पार्किंग में ई-चार्जिंग की व्यवस्था नहीं मिली ओसी से लेकर लीज डीड भी निरस्त करने का विकल्प प्राधिकरण के पास होगा। अहम है कि नोएडा की भवन नियमावली में वर्ष 2022 में ई-वी चार्जिंग के नियम को शामिल किया गया है। ये नियम सभी प्रकार के 2000 वर्गमीटर से बड़े प्लॉट पर लागू होगा।

पार्क, चौराहों व ग्रीन बेल्ट को गोद लेने वाले मक्कार संस्थानों पर चलेगा चाबुक

सीईओ डॉ. लोकेश एम ने तलब की ऐसे संस्थानों की रिपोर्ट

नोएडा (चेतना मंच) नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम ने उद्यान विभाग को ऐसे संस्थानों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं जो गोल चक्कर, पार्क, चौराहों और ग्रीन बेल्ट को गोद तो ले लेते हैं परंतु उनका रखरखाव नहीं करते।

दरअसल नोएडा ग्रेटर नोएडा में हरित क्षेत्र की विशेष लोकेशंस पर अपना प्रचार करने वाले संस्थानों तथा बिल्डरों की संख्या सैकड़ों में है।अनेक संस्थान अपने सीएसआर फंड की खपत के लिए भी इस प्रकार के काम करने का दिखावा करते हैं। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम द्वारा आज सोमवार को एक बैठक में उद्यान विभाग के अधिकारियों से ऐसे संस्थानों के द्वारा किए जा रहे रखरखाव की रिपोर्ट तलब की गई। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि अधिकांश संस्थानों द्वारा रखरखाव कार्य नहीं किया जा रहा है। इसपर सीईओ ने ऐसे संस्थानों पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए। उल्लेखनीय है कि प्राधिकरण द्वारा विकसित तथा निर्धारित स्थानों पर प्रचार-प्रसार कर लाभ कमाने वाले संस्थान तथा एडवरटाइजिंग एजेंसियों द्वारा प्राधिकरणों को लंबे समय से आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को ऐसी ही एडवरटाइजिंग एजेंसियों से अपना करोड़ों रुपया वसूलने के लिए अदालतों में मुकदमे लड़ने पड़ रहे हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

19 मार्च को किसान दिवस का होगा आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर राजीव कुमार ने जनपद के समस्त कृषकों को जानकारी देते हुए बताया कि किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए माह के तृतीय बुधवार 19 मार्च 2025 को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में प्रात: 11 बजे विकास भवन स्थित सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया जायेगा।

उप कृषि निदेशक ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि आयोजित होने वाले किसान दिवस में निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर स्वयं उपस्थित होकर किसानों की समस्याओं का समाधान करना सुनिश्चित करें।

सेक्टर-29 व 37 में बदली जाएगी 6 हजार मीटर सीवर लाइन

कार्य शुरू, एवीआरडब्ल्यूए बोली- थैंक्स ! सीईओ डॉ. लोकेश एम व जीएम आरपी सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-37 तथा 29 में 6000 मीटर लम्बी सीवर लाइन को बदलने तथा उच्चीकरण करने का शुभारंभ कर दिया है।

सोमवार को नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (जल एवं सीवर) आरपी सिंह अपने मातहत अफ्सरों के साथ सेक्टर-29 के वार्ड 5ए पहुंचे तथा सीवर लाइन बदलने के कार्य का शुभारंभ कराया। प्राधिकरण की इस पहल पर अरूण विहार रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन (एवीआरडब्ल्यूए) के अध्यक्ष कर्नल आइपी सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों ने खुशी जताई तथा प्राधिकरण का आभार जताया। इस बाबत पूछने पर महा प्रबंधक आरपी सिंह ने बताया कि प्रथम चरण के दौर में सेक्टर-29 के (शेष पृष्ठ-3 पर)

जीएम व एसएम की तत्परता से बची प्राधिकरण कर्मचारी की जान

एनईए अध्यक्ष चौ. राजकुमार ने जताया आभार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक जन स्वास्थ्य एसपी सिंह तथा वरिष्ठ प्रबंधक खंड-1 गौरव बंसल की पहल पर प्राधिकरण के एक कर्मचारी की आज जान बच गई। इसको लेकर सभी कर्मचारियों तथा एनईए अध्यक्ष चौधरी राजकुमार ने दोनों अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

आज सुबह नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मचारी हरेंद्र सेक्टर-22 पर प्राधिकरण का कार्य कर रहा था। तभी अचानक उसके सीने में तेज दर्द उठा उसके साथियों ने तत्काल इसकी सूचना महाप्रबंधक एसपी सिंह तथा खंड एक के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल को दी। वे दोनों पास में ही नोएडा स्टेडियम में किसी कार्य का निरीक्षण करने आए थे।

सूचना मिलते ही एसपी सिंह तथा गौरव बंसल तुरंत मौके पर पहुंचे तथा पीड़ित हरेंद्र को अपनी कर में बिठाकर सेक्टर- 50 स्थित न्यू हॉस्पिटल ले गए वहां पर उसे भर्ती कराया डॉक्टर ने हरेंद्र को देखने के बाद उसका इलाज शुरू किया तथा हरेंद्र की हालत में अब सुधार बताया जाता है। नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों तथा नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी राजकुमार तथा अन्य पदाधिकारी ने एसपी सिंह तथा गौरव बंसल की इस पहल पर उन्हें आभार व्यक्त किया तथा शुभकामनाएं दी।

माँ बनी सीमा हैदर, सचिन की बेटी को दिया जन्म

नोएडा (चेतना मंच)। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर ने आज सुबह ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया है। इस बात की जानकारी उनके अधिवक्ता डाक्टर ए पी सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि सीमा मीणा/सचिन मीणा के दाम्पत्य जीवन में आज सुबह 4 बजे एक बिटिया का आगमन हुआ है।

बता दें कि करीब 3 वर्ष पूर्व पब्जी गेम खेलने के दौरान सीमा हैदर तथा सचिन के बीच प्रेम हो गया था। प्रेम के बाद 2 वर्ष पूर्व पाकिस्तान की सीमा लांघकर सीमा नेपाल के रास्ते चार बच्चों के साथ अवैध तरीके से भारत पहुंची। गर्भवती सीमा ने निजी अस्पताल में आज सुबह को बच्ची को जन्म दिया है। वह रबूपुरा निवासी पति सचिन मीणा के बच्चे की मां बनी है। हालांकि, अब तक सीमा हैदर को भारत की नागरिकता नहीं मिली है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की रहने वाली सीमा 13 मई 2023 को अपने बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत आ गई थी। सीमा को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने पर 4 जुलाई 2023 को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उसके भारतीय प्रेमी (वर्तमान में पति) सचिन मीणा को अवैध प्रवासी को शरण देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। 7 जुलाई को स्थानीय अदालत ने उसे जमानत दे दी थी। सीमा ने पुलिस को बताया था कि दोनों ने नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी कर ली थी।

कोर्ट से जमानत मिलने के बाद विधि-विधान के साथ सीमा ने गौतमबुद्ध नगर में भी शादी की थी। तब से दोनों रबूपुरा में एक ही घर में पति-पत्नी के रूप में जीवन यापन कर रहे हैं। सीमा और सचिन की कहानी भारत-पाकिस्तान ही नहीं कई देशों में चर्चित है। उन्होंने बताया कि जहां तक सीमा की भारतीय नागरिकता का सवाल है तो उनके खिलाफ अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने को लेकर दर्ज केस का निस्तारण हो जाए। इस मामले में आईबी और एटीएस की टीमें भी जांच कर चुकी हैं।

सियासी आक्रोश

बिलासपुर का गुंडा कौन। एक सवाल जो मुड़-मुड़ कर बिलासपुर से पूछने लगा है कि हे भाई 'यह पूर्व विधायक बंबर ठाकुर पर आक्रमण क्यों हो रहे और इस बार तो गोली ने गहरे जख्मों से पूरे परिवेश को कलंकित किया।' कुछ तो है जो तेरी गली में डाकू आने लगे, वरना इसी राह से तो वो पुजारी जाता है। हो सकता है बंबर ठाकुर किसी सियासी आक्रोश का प्रतीक हो। उनके निजी मसलों में खोट हो, लेकिन कानून व्यवस्था के दर्पण अगर यूं टूटने लगे, तो हिमाचल का चेहरा न जाने कितना विकृत नजर आएगा। विडंबना यह कि होली के दिन अपराध की बारात निकल आई और पिचकारी से गोली निकल आई। यह पहला चित्र नहीं, इससे पूर्व भी युद्ध का मैदान सजा था। वहां कौन लड़ रहा है और हर बार यह बंबर सिंह ठाकुर ही क्यों मिल रहा है। यह कोई गुटीय संघर्ष है या सियासत का नायक अब यूं ही गोलियों के बीच मिलेगा। कम से कम इस गोली कांड ने सैकड़ों तोहमतें बटोर ली हैं और अब चर्चाओं के सदमे रोज मिलेंगे। चर्चाएं कयामत तक पहुंचने लगीं, तो कसूर कहने का नहीं आंखों देखी ने, नफरत के दीये देखे हैं। बिलासपुर की आंखों देखी अब गोलियों के इस षड्यंत्र से डरने लगी। पहले बीबीएन में गोलियों की गलियों से सियासत का प्रभुत्व नाचा और अब सियासत की दौलत में बिलासपुर का अमन चकनाचूर होने लगा है। अपराध नंगे पांव चलकर आ रहा है, लेकिन इसके बीच सियासी चरित्र, सियासी पहचान और सियासत के प्रभाव को हर दौर और हर रुतबे में समझना होगा। आखिर हिमाचल क्यों असामान्य दिखाई देने लगा है और क्यों अपने सामान्य व्यवहार से दूर रहने लगा है। क्या यहां भी सियासत अपने प्रोफेशन से धंधे तक पहुंच गई या तमाम धंधों ने सियासत को पूज लिया। वो रेत-वो बजरी, तेरे महलों ने तो दुकान खोल ली। वो शराब, वो शराबी, तेरे गल्ले ने उसकी जेब लूट ली। कहना न होगा कि हिमाचल में माफिया अब सिर पर चढक़र बोल रहा है। बहुत पहले पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने माफिया के प्रवेश को हर भूमिका में इंगित किया था। अब यह नई सज्जनता है, जिसके पीछे सारा दारोमदार चल रहा है। हिमाचल में जिंदगी के हर पहलू में अगर सियासत रहेगी, तो माफिया हर कदम पे अपना कदम गिनेगा। यह जारी है। देखते ही देखते यह प्रदेश अगर पहाड़ को काटने का हुनर सीख गया, नदी-नालों को छान कर व्यापार सीख गया या चिट्टे की खान में धंधा चला पाया, तो जुर्म की गलबहियों में आर्थिक अपराध बढ़ गए हैं। एक वक्त था जब खच्चरों पर राशन और रेत ढोया जाता था। आज खच्चर के आगे टैक्सी और जेसीबी खड़ी हो गई। यह आर्थिक क्रांति हो सकती है, लेकिन जब इनका संचालन समाज के साथ सियासत करने लगे, तो हर छतरी के नीचे असामान्य राजनीतिक प्रश्रय पैदा हो रहा है। कभी बिकते शराब के ठेके को देखना, कभी सडक़-इमारत के निर्माण से पहले ठेका हासिल करने का तरीका देखना। देखना विकास की उड़ती हुई धूल के नीचे और पीछे कौनसा सियासी पक्ष मजबूती से खड़ा है। इसलिए हिमाचल में राजनीति अब सीधी ठेकेदारी से जुड़ गई है। चाहे कोई भी सत्ता आए, हर विधायक के कुछ कार्यकर्ता ठेकेदार बन जाते हैं। पहले छोटे, फिर बड़े बन जाते हैं। यही ठेकेदार कार्यकर्ता आगे चल कर सियासत के निवेशक बन जाते हैं। एक बड़ा नेता और फिर उसके हजारों कार्यकर्ताओं के बीच से सशक्त होते ठेकेदार ही भविष्य के फाइनेंसर होंगे। यही ठेकेदार हिमाचल की भौगोलिक संरचना में हर विकास के खरीददार हैं। धीरे-धीरे सारे व्यापार का संरक्षण, औद्योगिक माहौल का संरक्षण, ट्रांसफर की उठापटक का संरक्षण और अफसरशाही से नौकरशाही का संरक्षण करने में जब कोई कार्यकर्ता सक्षम हो जाता है, तो वह हर सरकारी समारोह का एक चेहरा है। वह सरकारी स्कूलों के वार्षिक समारोहों की शान है और इसी पहचान से वह अपने इलाके के किसी भी कर्मचारी को वर्षों एक जगह पर ही रोक सकता है या उसे बार-बार ठोंक सकता है। राजनीतिक सफलता के मायनों से दफ्तर चलने लगे हैं और थाने में कानून चलने लगा है। यही स्थिति कल उनकी थी, तो आज इनकी है। शायद इस बार उनकी गोली से पूर्व विधायक जख्मी हो गया, कल किसी की गोली और कौन शिकार होगा, इस परिदृश्य में आम नागरिक की हिफाजत कौन करेगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सब लक्षणों को विचारकर मुनि ने अपने हृदय में रख लिया और राजा से कुछ अपनी ओर से बनाकर कह दिए। राजा से लड़की के सुलक्षण कहकर नारदजी चल दिए। पर उनके मन में यह चिन्ता थी कि- उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

करौं जाइ सोइ जतन बिचारी। जेहि प्रकार मोहि बरै कुमारी॥

जप तप कछु न होइ तेहि काला। हे बिधि मिलइ कवन बिधि बाला॥

मैं जाकर सोच-विचारकर अब वही उपाय करूँ, जिससे यह कन्या मुझे ही वरे। इस समय जप-तप से तो कुछ हो नहीं सकता। हे विधाता! मुझे यह कन्या किस तरह मिलेगी?

दो= एहि अवसर चाहिअ परम सोभा रूप बिसाल।

जो बिलोकि रीझै कुअँरि तब मेलै जयमाल॥1

इस समय तो बड़ी भारी शोभा और विशाल (सुंदर) रूप चाहिए, जिसे देखकर राजकुमारी मुझ पर रीझ जाए और तब जयमाल (मेरे गले में) डाल दे॥

हरि सन मागौं सुंदरताई। होइहि जात गहरु अति भाई॥

मोरें हित हरि सम नहिं कोऊ। एहि अवसर सहाय सोइ होऊ॥

(एक काम करूँ कि) भगवान से सुंदरता माँगूँ, पर भाई! उनके पास जाने में तो बहुत देर हो जाएगी, किन्तु श्री हरि के समान मेरा हितू भी कोई नहीं है, इसलिए इस समय वे ही मेरे सहायक हों॥ (क्रमशः...)

'अल्पसंख्यकों' को सरकारी ठेकों में 4 प्रतिशत कोटा क्यों?

कांग्रेस शासित कर्नाटक की सरकार ने अल्पसंख्यक ठेकेदारों को सरकारी खरीद के ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है, उससे मुस्लिम सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे। हालांकि, राज्य सरकार का यह निर्णय वैधानिक दृष्टि से न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है। ऐसा इसलिए कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश तो है, लेकिन यह हिंदुओं के हिस्से वाला हिंदुस्तान भी है। जबकि हमारे राजनेता और उनके 'चमचे बुद्धिजीवी' वोट बैंक की लालच में इस कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज करते हैं, जिससे देश में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सियासत को मजबूती मिलती है। चूंकि इसका सर्वाधिक लाभ मुस्लिम ठेकेदारों को मिलेगा, इसलिए कांग्रेस के इस फैसले की प्रवृति और प्रकृति पर कतिपय सवाल उठना लाजिमी है।

पहला, अल्पसंख्यक वर्ग में यह आरक्षण मुस्लिमों, ईसाइयों, सिखों, जैनों, बौद्धों आदि को 4 फीसदी में से कितना-कितना प्रतिशत मिलेगा या फिर पिछले दरवाजे से सिर्फ मुस्लिमों को ही वरीयता दी जाएगी? दूसरा, जब दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को सरकारी ठेकों में आरक्षण मिलेगा तो फिर ईडब्ल्यूएस से जुड़े गरीब सवर्णों को क्यों नहीं मिलेगा? तीसरा, महिलाओं और युवाओं को क्यों नहीं? किसानों-मजदूरों-कारीगरों को क्यों नहीं? सिर्फ सरकारी ठेकों में ही क्यों, प्राइवेट ठेकों और ग्लोबल ठेकों में क्यों नहीं? चतुर्थ, सिर्फ कर्नाटक में ही क्यों, हिमाचल प्रदेश आदि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन शासित राज्यों में क्यों नहीं?

खैर, सवालों की फेहरिस्त बड़ी लंबी हो सकती है और जवाब सिर्फ यही कि कांग्रेस की कमान बैकडोर से वैसे लोगों के हाथों में जा चुकी है जो इस पार्टी को जनमानस में अलोकप्रिय बनाने पर आमादा हैं। पहले समाजवादियों और फिर राष्ट्रवादियों की राजनीतिक सफलता का राज भी यही है। इतिहास गवाह है कि अपनी घोर तुष्टिकरण की सियासत के चलते भारत और अधिकांश राज्यों की सत्ता से बाहर है। 2014 और 2019 के आम चुनावों में उसकी हैसियत विपक्ष का नेता बनने लायक भी नहीं रही थी। 2024 में उसे जो अप्रत्याशित उछाल मिला, उसके उत्साह में वो फिर अतिरेक भरे फैसले कर रही है, जिससे साफ है कि कांग्रेस अब सत्ता प्राप्ति और राष्ट्र निर्माण नहीं बल्कि 'पार्टी ध्वंस' और 'देश-समाज विध्वंस' को गति देने की राजनीति पर आमादा है। उसकी गलत नीतियों का ही तकाजा है कि पहले भारत टूटा, फिर पाकिस्तान टूटा और कांग्रेस भी कई बार टूटी।

यदि सही कहा जाए तो 'कांग्रेस' की असली नेता ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस नेत्री और पश्चिम बंगाल की चार बार से मुख्यमंत्री) हैं, न कि नेहरू-गांधी परिवार के सियासी जमींदार, जो सौभाग्य से नेता प्रतिपक्ष तो हैं, लेकिन वैचारिक और रणनीतिक तौर पर उसके 'नाकाबिल' हैं! तभी तो खुद इंडिया गठबंधन के उनके साथी भी उन्हें अपना नेता मानने को लेकर किंतु परन्तु करते रहते हैं! मेरी बात उन्हें बुरी लग सकती है, लेकिन इसके मर्म को आत्मसात कर लिए तो उनकी पार्टी की सियासी किस्मत भी बदल सकती है, क्योंकि जिस पार्टी ने देश को आजादी दिलाई, सर्वाधिक समय तक देश-प्रदेश पर राज किया, उसकी मौजूदा दुर्दशा पर हर कोई तरस खाएगा।

चर्चा के मुताबिक, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कैबिनेट ने कर्नाटक ट्रांसपैरेंसी इन पब्लिक प्रक्योरमेंट (केटीपीपी) ऐक्ट में बदलाव के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। खबर है कि इस ऐक्ट में बदलाव का यह बिल विधानसभा के इसी बजट सत्र में आएगा, जिसके पारित होने के बाद कर्नाटक के सरकारी टेंडर में मुस्लिमों सहित सभी अल्पसंख्यक वर्ग के सरकारी ठेकेदारों को 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो जाएगा। वहीं, डिप्टी सीएम ने कहा कि, टेंडर में कोटा सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्ग के लिए तय किया गया है, जिसकी प्रतिशतता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी उन्होंने नहीं दी है।

बीजेपी ने कर्नाटक सरकार के इस फैसले को असंवैधानिक बताया और कहा कि कांग्रेस मुस्लिम सहित अल्पसंख्यक तुष्टीकरण में नए पैमाने गढ़ रही है। यह देश के लिए खतरा है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हमारी पार्टी इसके खिलाफ है और विरोध करती रहेगी।

वहीं, बीजेपी ने कर्नाटक सरकार के इस फैसले को असंवैधानिक बताया और कहा कि कांग्रेस मुस्लिम सहित अल्पसंख्यक तुष्टीकरण में नए पैमाने गढ़ रही है। यह देश के लिए खतरा है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हमारी पार्टी इसके खिलाफ है और विरोध करती रहेगी। बाद में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार ने कहा कि 4 प्रतिशत कोटा सिर्फ मुस्लिमों के लिए नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के लिए है।

वहीं, कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिम आरक्षण पर एक सेवानिवृत्त नौकरशाह ने कहा है कि राज्य सरकार को अख्तियार है कि वह रिजर्वेशन दे सकती है। इसी नजरिए से कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल आदि राज्यों में मुस्लिम आदि अल्पसंख्यकों को ओबीसी कैटिगरी में रखकर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया है। जबकि यहां मसला सरकारी टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन का है। हालांकि, इस पर जिसे ऐतराज है, वह संवैधानिक अदालत में इसे चुनौती दे सकता है। क्योंकि यहां नया सिर्फ यह है कि टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन दिया गया है। कैबिनेट फैसला ले सकती है जिसमें कोई शक नहीं है। यह अलग बात है कि इस फैसले को संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। आम तौर पर संसद या विधानसभा से पास किसी भी कानून को संवैधानिक अदालत में चुनौती दी जा सकती है। तब अदालत स्क्रूटनी करती है और यह देखती है कि कानून या सरकार का फैसला संविधान के दायरे में है या नहीं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट के एक एडवोकेट की प्रतिक्रिया आई है कि संविधान में अनुच्छेद 15 और 16 में पढ़ाई-नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान है, लेकिन सरकारी ठेकों में आरक्षण का जिक्र संविधान में नहीं है। चूंकि शीर्ष अदालत में कर्नाटक में सरकारी नौकरी में मुस्लिम रिजर्वेशन का मसला आ चुका है। पर मौजूदा मामला टेंडर से संबंधित है। इसलिए संवैधानिक तौर पर यह रिजर्वेशन शायद ही कोर्ट में टिक पाए। क्योंकि संविधान में आर्टिकल 15 व 16 में रिजर्वेशन दिए जाने का प्रावधान है। एजुकेशनल इंस्टिट्यूट में दाखिले के लिए आर्टिकल 15 के तहत प्रावधान है और सरकारी नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान आर्टिकल 16 में है। जबकि कर्नाटक सरकार ने टेंडर में रिजर्वेशन दिया है और वह भी रिलिजन के आधार पर दिया है। वहीं यह संविधान के तहत वर्णित परिभाषा पब्लिक एंप्लायमेंट के तहत नहीं आता है। लिहाजा रिजर्वेशन सिर्फ सरकारी नौकरी और शैक्षणिक संस्थान में दाखिले के लिए हो सकता है।

कानूनी जानकार बताते हैं कि कैबिनेट रिजर्वेशन दे सकती है। अगर यह संवैधानिक दायरे में है या नहीं, इस पर अहम सवाल खड़ा हुआ तो इस फैसले को चुनौती दी जा सकती है। कहने का तातपर्य यह कि यदि ऐसे फैसले से किसी को आपत्ति है तो वह कोर्ट में इसे चुनौती दे सकता है। हालांकि, वहां इसका टिकना मुश्किल लग रहा है। क्योंकि रिजर्वेशन संवैधानिक दायरे में है या नहीं, इसको लेकर अब अहम सवाल खड़ा हुआ है। वैसे कर्नाटक में मुस्लिमों के रिजर्वेशन का मामला पहले भी राजनीति का केंद्र रहा है और एक मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पेंडिंग है। इसलिए राज्य सरकार को सर्वोच्च अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए था।

इस बारे में विधि के जानकारों का यह भी कहना है कि आर्टिकल 19 (1) (जी) में ट्रेड और कॉमर्स आदि का मौलिक अधिकार है और कर्नाटक का एक मसला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। क्योंकि पिछली कर्नाटक सरकार (बीजेपी सरकार) ने अप्रैल 2024 में मुस्लिम ओबीसी के रिजर्वेशन को खत्म कर दिया था। जिसके बाद सरकार के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस मामले में कर्नाटक के मुस्लिम कम्युनिटी की ओर से कहा गया था कि कर्नाटक सरकार ने मुस्लिम ओबीसी का चार फीसदी रिजर्वेशन जो खत्म किया है, उसके लिए कोई उनके पास कोई स्टडी नहीं है। वहीं 26 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक सरकार ने कहा था कि मुस्लिम समुदाय को धर्म के आधार पर नौकरी में रिजर्वेशन न देने का जो फैसला किया गया है, वह सोच विचार कर किया गया क्योंकि यह रिजर्वेशन असंवैधानिक है और संविधान के अनुच्छेद-14 व 16 के खिलाफ है। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम रिजर्वेशन का मामला अभी भी पेंडिंग है। सरकार का फैसला उस अधिकार में दखल देता है। ऐसे में राज्य सरकार के फैसले को जब संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जाएगी तो सुप्रीम कोर्ट देखेगा कि यह संवैधानिक दायरे में है या नहीं। लेकिन पहली नजर में लगता है कि यह फैसला टिकना मुश्किल हो सकता है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि समकालीन आरक्षण जरूरतमंदों को कम और नेताओं, उद्यमियों, नौकरशाहों, जजेज, सीए आदि सफल पेशेवरों के आश्रितों को ज्यादा मिल रहा है। जिनको एक बार आरक्षण का लाभ मिल गया, उनके पुत्रों-पुत्रियों को भी यह बार बार मिल रहा है। समाज का यह वर्ग उन लोगों का हक मार रहा है, जिनके लिए यह परिकल्पना की गई थी। वहीं, इसका चुनावी हथियार बनना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। चाहे संसद हो या सुप्रीम कोर्ट, अपनी नैतिक जवाबदेही से बचते आए हैं और किसी भी नीतिगत नाकामी के लिए इन्हें दंडित करने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए हमारी संवैधानिक व्यवस्था को और अधिक कारगर बनाने के लिए राजनीतिक जवाबदेही, प्रशासनिक जवाबदेही, न्यायिक जवाबदेही और वैचारिक जवाबदेही, तय करनी होगी और इसमें बरती गई लापरवाहियों के लिये इन्हें दंडित किये जाने की भी जरूरत है। अन्यथा इनके बेमतलब तर्क वितर्क जारी रहेंगे, ये मौज करते रहेंगे और जनता बर्बाद होती रहेगी। अब वक्त है जनता को आबाद करने का, उसके लिए पारदर्शी कानून बनाने का। **कमलेश पांडेय**

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

छत्रपति महाराज के व्यक्तित्व की समझ विकसित करती है पुस्तक 'हिन्दवी स्वराज्य दर्शन'

पुस्तकों का लेखन जितना सरल हो, उतने ही अधिक लोग उसे पढ़ते हैं। पत्रकार, मीडिया शिक्षक एवं बेहतरीन लेखक लोकेंद्र सिंह ने सरल शब्दों में अधिक संदर्भों के सहारे बड़ी ही तथ्यात्मक पुस्तक 'हिंदवी स्वराज्य दर्शन' लिखी है। यह पुस्तक हिन्दवी साम्राज्य के संस्थापक एवं स्वराज्य के उद्घोषक श्री शिव छत्रपति महाराज के व्यक्तित्व, स्वराज्य की संकल्पना एवं दुर्गों को समझने में महत्वपूर्ण दस्तावेज है। पुस्तक 'हिंदवी स्वराज्य दर्शन' पाठकों से बड़ी ही सहजता से अपने विषय पर संवाद करती है। यात्रा वृतांत के रूप में लिखी गई इस पुस्तक में हिन्दवी स्वराज के दुर्गों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई है।

हमें ज्ञात है कि हिन्दवी स्वराज्य में दुर्ग केंद्रीय तत्व हैं। जब विदेशी आक्रांताओं के अत्याचारों एवं दासता के अंधकार से देश घिरता जा रहा था, तब हिन्दवी स्वराज के इन्हीं दुर्गों से स्वराज्य का संदेश देनेवाली मशाल जल उठी थी। स्वराज्य की स्थापना हेतु छत्रपति शिवाजी महाराज अपने इन्हीं दुर्गों से गर्जना कर मराठों में आत्मविश्वास और 'स्व' से प्रेम जाग्रत करते थे।

पुस्तक 'हिन्दवी स्वराज्य दर्शन' में लेखक अपनी यात्रा के अनुभवों को आधार बनाते हुए हमें दुर्गों के बारे महत्वपूर्ण जानकारी दे रहे हैं। पुस्तक में पहले ही बताया गया है कि यह अपने इतिहास को, स्वराज्य के लिए हुए संघर्ष एवं बलिदान को समीप से जानने-समझने की एक अविस्मरणीय यात्रा को समर्पित है। पुस्तक पढ़ने से पहले हिन्दवी स्वराज के दुर्गों के बारे में आपकी जो धारणा होगी, उससे अलग और अधिक जानकारी इस पुस्तक में है। दुर्ग, जिन्हें हम किले, गढ़ और कोट के नाम से भी जानते हैं। पुस्तक में दुर्गों के प्रकारों पर प्रकाश डाला गया है। पुस्तक 'हिन्दवी स्वराज्य दर्शन' पढ़ने के बाद दुर्गों के विभिन्न स्वरूपों की समझ विकसित होती है। इस पुस्तक में हिन्दवी स्वराज की प्रतिज्ञाभूमि की स्मृतियां ताजा होंगी। श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक से लेकर उनके देवलोकगमन

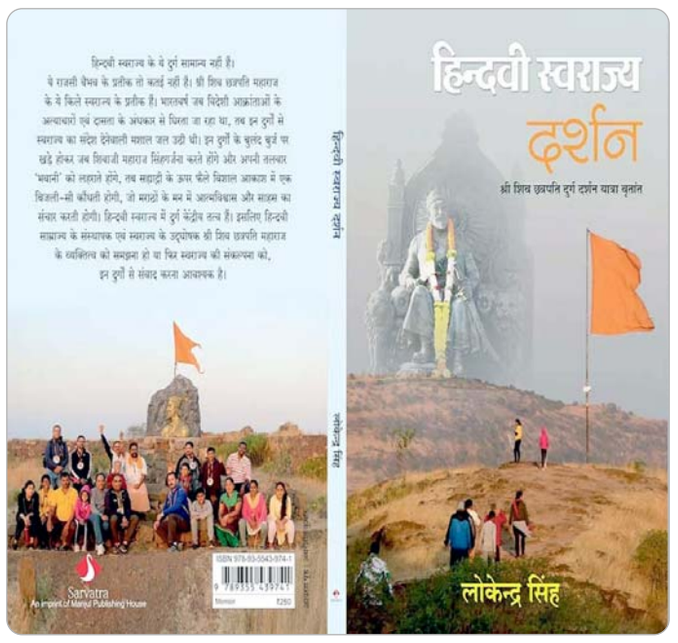

के अवसरों के साक्षी बने 'श्री दुर्गदुर्गेश्वर- रायगढ़' के किले की दास्तान सुनने को मिलेगी। मिर्जा राजा जयसिंह और छत्रपति के मध्य हुई ऐतिहासिक और रणनीति पुरंदर संधि की जानकारी प्राप्त होगी। इसमें तानाजी के शौर्य की गाथा कहते सिंहगढ़ की चर्चा होगी तो छत्रपति शंभूराजे की समाधि के महत्व सहित अनेक पहलुओं की बात है।

पुस्तक 'हिन्दवी स्वराज्य दर्शन' में लेखक अपनी यात्रा के अनुभवों को आधार बनाते हुए हमें दुर्गों के बारे महत्वपूर्ण जानकारी दे रहे हैं। पुस्तक में पहले ही बताया गया है कि यह अपने इतिहास को, स्वराज्य के लिए हुए संघर्ष एवं बलिदान को समीप से जानने-समझने की एक अविस्मरणीय यात्रा को समर्पित है।

पुस्तक में छत्रपति शिवाजी महाराज का अपने बच्चों की तरह दुर्गों का ध्यान रखकर उनके प्रति स्नेह दिखता है। साथ ही उनकी चतुराई की समझ का भी ज्ञान होता है, जहां वह दुर्गों की सुरक्षा देखने के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित करवाते थे। महाराज ऐसा क्यों करवाते थे, यह आपको पुस्तक पढ़ने के बाद समझ आएगा। आप लेखक लोकेंद्र सिंह की पुस्तक 'हिन्दवी स्वराज्य दर्शन' को अवश्य पढ़ें। उनकी यह पुस्तक काफी चर्चाएं बटोर रही है। यह पुस्तक अमेजॉन पर उपलब्ध है, जिसे आप आसानी से घर बैठे ही ऑर्डर कर सकते हैं।

- सौरभ तामेश्वरी

(लेखक पत्रकार एवं स्तम्भकार है।

राशिफल

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

प्रेम, संतान सुधर चुका है। स्वास्थ्य मध्यम है। व्यापार अच्छा है। लाल वस्तु पास रखें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)

लिखने, पढ़ने में समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य ठीक-ठाक। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम। व्यापार अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)

आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)

व्यापारिक स्थिति सुदृढ़। कोर्ट-कचहरी में विजय। प्रेम, संतान ठीक-ठाक। व्यापार तो बहुत अच्छा हो गया है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)

भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)

जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)

शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा। पीली वस्तु पास रखें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)

चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन व्यथित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य,प्रेम, व्यापार मध्यम रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)

पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)

खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)

ओजस्वी, तेजस्वी बने रहेंगे। एक बहुत अच्छी ऊर्जा आपमें आ गई है। स्वास्थ्य में सुधार।

भव्य तरीके से निकली कलश यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। डेल्टा वन स्थित मंदिर से एक भव्य कलश यात्रा कल निकाली गई। यात्रा में कथा व्यास पवन नंदन की उपस्थिति मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। ज्ञात हो कि ग्रेटर नोएडा में 17 से 23 मार्च 2025 तक प्राचीन भारत की ज्ञान सम्पदा के संरक्षण, संवर्धन और नि:शुल्क आयुर्वैदिक चिकित्सा को समर्पित भागवत कथा का आयोजन डेल्टा वन, ग्रेटर नोएडा के कम्यूनिटी सेंटर में किया जा रहा है। आयोजन समिति के महामंत्री प्रमोद चौहान ने बताया कि कलश यात्रा में लगभग 250 महिलाओं की सहभागिता रही। कलश यात्रा की मुख्य संयोजिका श्रीमती सरोज तोमर ने बताया कि यात्रा में कथा के संरक्षक मंडल में श्री संजय सूदन, ओम प्रकाश अग्रवाल, श्री कुलदीप शर्मा, मुख्य यजमान एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री मनोज सिंघल, कोषाध्यक्ष कपिल कृष्णा, संयुक्त महामंत्री श्री नवीन जिंदल, श्री शरद त्यागी व समस्त दैनिक यजमान रहे।

समिति के मीडिया प्रभारी श्री मुकुल गोयल ने बताया कि भारतीय धरोहर के संगठन मंत्री प्रवीण शर्मा एवं महामंत्री विजय शंकर तिवारी (राष्ट्रीय प्रवक्ता, विश्व हिन्दू परिषद) भी उपस्थित रहे।

भागवत कथा का श्रवण मन के कलुष को समाप्त करता है

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भागवत कथा का श्रवण मन के कलुष को समाप्त करता है किंतु इसके श्रवण का अवसर अनेक जन्मों के सत्कर्मों के परिणाम स्वरूप मिलता है। 17 मार्च, दोपहर 4 बजे से डेल्टा वन के कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित भागवत का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के आरम्भ में भारतीय धरोहर के चेयरमैन रमेश कपूर, वाइस चेयमैन संजीव गोयल ने कथा व्यास का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

ज्ञात हो कि ग्रेटर नोएडा में दिनांक 17 से 23 मार्च तक प्राचीन भारत की ज्ञान सम्पदा के संरक्षण, संवर्धन और नि:शुल्क आयुर्वैदिक चिकित्सा को समर्पित भागवत कथा का आयोजन डेल्टा वन, ग्रेटर नोएडा के कम्यूनिटी सेंटर में किया जा रहा है। आयोजन समिति के महामंत्री प्रमोद चौहान ने बताया कि कलश यात्रा में लगभग 250 महिलाओं की सहभागिता रही ।

कलश यात्रा की मुख्य संयोजिका श्रीमती सरोज तोमर ने बताया कि यात्रा में कथा के संरक्षक मंडल में संजय सूदन, ओम प्रकाश अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, मुख्य यजमान एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष नरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष मनोज सिंघल, कोषाध्यक्ष कपिल कृष्णा, संयुक्त महामंत्री नवीन जिंदल, शरद त्यागी व समस्त दैनिक यजमान रहे।

समिति के मीडिया प्रभारी मुकुल गोयल ने बताया कि भारतीय धरोहर के संगठन मंत्री प्रवीण शर्मा एवं महामंत्री विजय शंकर तिवारी (राष्ट्रीय प्रवक्ता, विश्व हिन्दू परिषद) भी उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि यह आयोजन भारतीय धरोहर विचार मण्डल, ग्रेटर नोएडा के द्वारा किया जा रहा है।

भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत

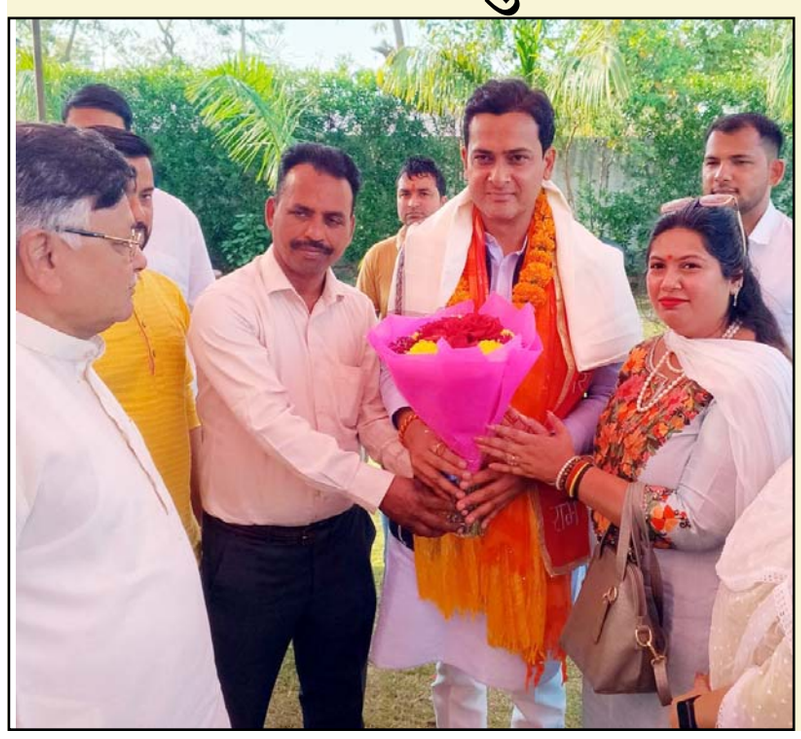

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा को जनपद गौतमबुधनगर के सैकड़ों लोगों ने उनके निवास सेक्टर ईटा में पहुँच कर शुभकामनाएँ दी और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया जिनमे क्षेत्र के युवा के साथ बुजुर्ग मौजूद रहे।

इस अवसर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और कहा। जो पार्टी ने उन पर विश्वास जताया है में पार्टी के विश्वास को क़ायम करते हुए पार्टी की रीति नीति और विचार सभी अपने बड़ो और सहयोगियों के साथ आगे बढ़ाने का कार्य करूँगा और हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश में तीसरी बार कमल खिला कर 2027 में पुन: भाजपा सरकार आये उसके लिये मिलकर काम करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यरूप से अरुण शर्मा वीरेन्द्र भाटी देवा भाटी मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य बलराज भाटी अर्पित तिवारी रोहित शर्मा मनोज प्रधान महेश शर्मा संजय भाटी ओमकार भाटी कपिल गुर्जर अतुल शर्मा सरजीत गुर्जर उमेश भाटी रजनी तोमर बीना शुक्ला उषा वत्स आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुधनगर के शिक्षामित्र से बने सहायक अध्यापकों ने पुरानी पेंशन हेतु विकल्प पत्र जमा करवाने का आदेश जारी करवाने को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय को संयुक्त समायोजित शिक्षक संघ गौतम बुध नगर ने ज्ञापन सौंपा,

अन्य जनपदों की भांति शिक्षामित्र से बने सहायक अध्यापकों से (अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन महोदय द्वारा जारी आदेश के क्रम में उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट रूल्स 1961 के अधीन कवर किए जाने के लिए शर्तों को पूरा करता है तो इस संबंध में प्रशासकीय विभाग के अनुमोदन के उपरांत आवश्यक का आदेश नियुक्त प्राधिकारी द्वारा 31 मार्च 2025 तक निर्गत कर दिए जाएंगे ।

आदेश के अनुपालन में शिक्षामित्र से बने सहायक अध्यापकों से विकल्प पत्र 31/03/2025 के पहले जमा करवाने की कृपा करें। इस मौके पर संयुक्त समायोजित शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष कमलेश यादव जिला महामंत्री श्यामवीर नागर जिला संरक्षक राजीव शर्मा , जिला उपाध्यक्ष उमर वेग,प्रदेश महा मंत्री जगवीर भाटी आदि मौजूद रहे।

प्रतिभाग का किया आवाहन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बिल्ड भारत एक्सपो 2025 पर आईआईए ग्रेटर नोएडा टीम ने प्रेस मीडिया के माध्यम से बड़ी संख्या में प्रतिभाग का किया आवाहन।

आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर टीम ने ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में प्रेस मीडिया के पत्रकार बंधुओं के समझ 19 मार्च 2025 से 21 मार्च 2025 तक आईआईए द्वारा भारत मंडपम, हॉल नंबर 6, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किए जा रहे बिल्ड भारत एक्सपो में सभी स्वस्थ्य उद्यमियों के उत्पादों को विश्व पटल पर प्रदर्शित करने एवं नए बाजार खोजने की संभावनाओं के मद्देनजर हो रहे इस महत्वपूर्ण आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की एवं सभी उद्यमी बंधुओं को अवश्य रूप से प्रतिभाग करने का आवाहन किया।

इस अवसर पर चैप्टर चेयरमैन राकेश बंसल, राष्ट्रीय सचिव विशारद गौतम, सचिव सरबजीत सिंह, बाबूराम भाटी, जगदीश सिंह, विजय गोयल, जेएस राणा एवं नवीन गुप्ता आदि वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

ग्रेटर नोएडा में 1.30 करोड़ की लागत से बना स्मार्ट स्कूल

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह 19 मार्च को करेंगे उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा। योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों को आधुनिक शिक्षा केंद्रों में बदलने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। ऑपरेशन कायाकल्प योजना के तहत अब परिषदीय विद्यालय सिर्फ स्कूल नहीं, बल्कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त समावेशी शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। इसी कड़ी में ग्रेटर नोएडा के मथुरापुर में 1.30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हाईटेक विद्यालय का उद्घाटन 19 मार्च को किया जाएगा। इस ऐतिहासिक पहल का शुभारंभ प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह करेंगे।

ग्रेटर नोएडा के मथुरापुर में इस नवनिर्मित विद्यालय में छात्रों की शिक्षा को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए स्मार्ट क्लासरूम की सुविधा दी गई है, जहां प्रत्येक कक्षा में डिजिटल बोर्ड और स्मार्ट लर्निंग टूल्स लगाए गए हैं। शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छता और स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा गया है। छात्रों के लिए शुद्ध पेयजल की

व्यवस्था आरओ और वाटर फिल्टर के माध्यम से की गई है, वहीं छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए गए हैं, जिससे स्वच्छता और सुविधा दोनों सुनिश्चित हो सकें। विद्यालय में सुरक्षा के भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हर कक्षा में दो दरवाजे बनाए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में छात्रों को आसानी से निकाला जा सके। मिड-डे मील के लिए भी अलग से एक भवन तैयार किया गया है, जहां छात्र आराम से बैठकर भोजन कर सकेंगे। इसके अलावा, बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में खेलकूद और प्रयोगशाला की भी विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे वे न सिर्फ शारीरिक रूप से सक्रिय रह सकें, बल्कि वैज्ञानिक प्रयोगों के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा भी प्राप्त कर सकें।

इस विद्यालय को 'दिव्यांग अनुकूल विद्यालय' के रूप में विकसित किया गया है, जिससे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को बिना किसी बाधा के शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सके।

विद्यालय परिसर में दिव्यांग छात्रों की सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए रैंप और रेलिंग सहित विशेष सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यालय में विशेष रूप से प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है, जो दिव्यांग छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शिक्षण प्रदान करेंगे।

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सबका साथ, सबका विकास नीति के तहत शिक्षा को हर बच्चे तक समान रूप से पहुंचाने की योजना बनाई गई है। दिव्यांग छात्रों को भी मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के लिए परिषदीय विद्यालयों में नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। मथुरापुर का यह विद्यालय इसी नीति का एक उदाहरण है।

पृष्ठ एक के शेष....

पार्क, चौराहों व ग्रीन ....

दिलचस्प तथ्य यह है कि ऐसी एडवरटाइजिंग एजेंसियों के मालिक विभिन्न नामों से कई एजेंसियां बनाकर काम करते हैं। एक एजेंसी के ब्लैक लिस्ट होने अथवा मुकदमेबाजी में फंसने पर दूसरे नाम की एजेंसी से ठेका हासिल कर लेते हैं। इस गोरखधंधे में संबंधित अधिकारियों की सांठगांठ रहती है।

सेक्टर-29 व 37 में....

वार्ड नं0 5ए तथा 6ए एवं सेक्टर-37 के वार्ड नं0 18 में करीब 2000 मीटर लम्बी सीवर लाइन बदली जाएगी तथा उच्चीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके बाद क्रमबद्ध तरीके से बाकी 4000 मीटर लंबी सीवर लाइन को बदलने का कार्य शुरू होगा।

प्राधिकरण की इस पहल पर अरूण विहार आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों एवं सेक्टरवासियों ने प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम तथा महाप्रबंधक आरपी सिंह का आभार जताया।

उप्र में 32 आइपीएस ....

उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, वाराणसी से पुलिस उपमहानिरीक्षक, फायर सर्दिस मुख्यालय, लखनऊ भेजा गया है।

विकास कुमार वैद्य को पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक, 39वीं वाहिनी पीएसी मिर्जापुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक, स्थापना, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र, लखनऊ भेजा गया है।

वहीं राजेश कुमार सक्सेना को पुलिस पुलिस उपमहानिरीक्षक सेनानायक, सेनानायक, 25वीं वाहिनी पीएसी रायबेरली से पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीटीएस सुल्तानपुर की जिम्मेदारी दी गई है।

सुनीता सिंह को पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक, 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी मुख्यालय, लखनऊ भेजा गया है। वहीं कमला प्रसाद यादव को पुलिस उपमहानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, उप्र, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, भ्रनिसं, उप्र, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। तेज स्वरूप सिंह को पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, कार्मिक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र, लखनऊ भेजा गया है। हृदेश कुमार को पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट, वाराणसी से पुलिस उपमहानिरीक्षक, ईओडब्ल्यू मुख्यालय लखनऊ भेजा गया है।

प्रतीक्षारत पुलिस महानिरीक्षक डॉ प्रीतिन्दर सिंह को पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी, मध्य जोन, लखनऊ बनाया गया है। अपर्णा कुमार को पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी, मध्य जोन, लखनऊ से पुलिस महानिरीक्षक, मानवाधिकार, उप्र, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अशोक कुमार को पुलिस उपायुक्तध्अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, गौतमबुद्धनगर से पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय अभिसूचना, गोरखपुर बनाया गया है।

एल.वी. एंटनी देव कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक, सीबीसीआईडी, उप्र, लखनऊ से अपर पुलिस महानिदेशक, नियम एवं ग्रन्थ, उप्र, लखनऊ बनाया गया है।

प्रतीक्षारत पुलिस उपमहानिरीक्षक अतुल शर्मा को पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी अनुभाग, कानपुर की जिम्मेदारी दी गई है। शैलेंद्र कुमार राय को पुलिस अधीक्षक, कानून एवं व्यवस्था, उप्र, लखनऊ से पुलिस अधीक्षक, लोक शिकायत, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र, लखनऊ बनाया गया है। देवेंद्र कुमार को सहायक पुलिस अधीक्षक, बरेली से अपर पुलिस अधीक्षक, नगर, शाहजहांपुर भेजा गया है। आयुष श्रीवास्तव को सहायक पुलिस अधीक्षक, जौनपुर से अपर पुलिस अधीक्षक, नगर, जौनपुर की जिम्मेदारी मिली है। आलोक कुमार को सहायक पुलिस अधीक्षक, झांसी से सहायक पुलिस अधीक्षक, संभल की जिम्मेदारी दी गई है।

बजरंग बली को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, मथुरा से सेनानायक 37वीं वाहिनी पीएसी, कानपुर भेजा गया है। दिनेश यादव को पुलिस अधीक्षक/उप सेनानायक, 41वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद से सेनानायक, 41वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद बनाया गया है।

अजय प्रताप को पुलिस अधीक्षक/उप सेनानायक, 25वीं वाहिनी पीएसी रायबरेली से सेनानायक, 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र भेजा गया है।

उधर नैपाल सिंह को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, खीरी से सेनानायक 39वीं वाहिनी पीएसी, मीरजापुर की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा कमलेश बहादुर को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक यूपीपीसीएल, आगरा से सेनानायक 25वीं वाहिनी पीएसी, रायबरेली भेजा गया है। राकेश कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण विद्यालय, पीटीएस, जालौन से सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी, बाराबंकी भेजा गया है। वहीं लाल भरत कुमार पाल को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक एएनटीएफ, लखनऊ से सेनानायक 49वीं वाहिनी पीएसी, गौतमबुद्धनगर की जिम्मेदारी दी गई है।

अनिल कुमार यादव को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, चन्दौली से पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, वाराणसी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं रोहित मिश्रा को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, बुलन्दशहर से पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र, लखनऊ भेजा गया है।

इसके अलावा शिवराम यादव को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, प्रशिक्षण विद्यालय, पीटीएस, मेरठ से पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, मेरठ बनाया गया है। दीपेंद्र नाथ चैधरी को पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, देवरिया से पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, कानपुर बनाया गया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर के अध्यक्ष नियुक्त होने पर महेश चौहान को फूलों का गुलदस्ता देकर बधाई देते भाजपा नेता विजय शर्मा बबलू तथा अन्य कार्यकर्तागण।

खास खबर

मणिपुर में पुलिस ने बरामद किया हथियारों का जखीरा

इंफाल। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने पहाड़ी और घाटी जिलों के संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाकर हथियारों का जखीरा बरामद किया है। यह जानकारी पुलिस ने आज सुबह दी। पुलिस ने बताया कि सेक्माई थाना क्षेत्र, इम्फाल पश्चिम जिले के लोइतांग सांडुम हिल रेंज से एक एसएलआर राइफल और एक मैगजीन, एक पिस्तौल (क्षतिग्रस्त मैगजीन के साथ), दो नंबर 36 एचई हैंड ग्रेनेड (बिना डेटोनेटर), और दो बाओफेंग हैंडहेल्ड रेडियो सेट बरामद किया गया। बिष्णुपुर जिले के नांबोल थाना क्षेत्र में आईवीआर के पूर्वी ओर पहाड़ियों और उयोक जंगल के बीच से और भी हथियार बरामद किए गए। इनमें एक 5.56 मिमी इंसास राइफल, दो 9 मिमी कार्बाइन मशीन गन, एक .303 मॉडिफाइड स्नाइपर राइफल (मैग्निफायर स्कोप के साथ), एक एसबीबीएल गन, एक पिस्तौल, चार नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, तीन 12 बोर की जीवित कारतूस, एक 9 मिमी सीएमजी खाली मैगजीन, दो टियर गैस ग्रेनेड, चार एंटी-रायट रबर बुलेट, एक टियर स्मोक शेल सीएस, एक ट्यूब लॉन्चिंग 1ए (नंबर 36 ग्रेनेड के लिए), चार जीवित एचडी कारतूस (ग्रेनेड लॉन्चिंग में उपयोग होने वाले) और दो वुड पियर्सिंग शेल शामिल हैं।

राकेश टिकैत कल महासमुंद व परसों धमतरी में

रायपुर। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं संयुक्त किसान मोर्चा के नेता चौधरी राकेश टिकैत चार दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रायपुर पहुंच गए हैं। वे छत्तीसगढ़ के विभिन्न जगहों पर आयोजित किसान पंचायतों और बैठकों को संबोधित करेंगे। टिकैत 18 मार्च को महासमुंद के सांकरा और 19 को धमतरी में आयोजित किसान पंचायतों और बैठकों को संबोधित करेंगे। टिकैत ने रायपुर में मीडिया के साथ चर्चा में कहा कि कहा कि सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशो के अनुरूप सभी फसलों का समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी लागू करने, आंदोलनकारी किसानों पर लगे कानूनी मामलो को वापस लेने, आंदोलन के दौरान शहीद हुए किसानों के परिवारों को पर्याप्त मुआवजा देने, शहीद स्मारक बनाने आदि विषयों पर लिखित आश्वासन दिया था। उसे आज तक पूरा नहीं किया गया है।

हंदवाड़ा मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर

हंदवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा के जचलदार इलाके में आज सुबह से चल रही मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया। इस दौरान एक एके-47 राइफल, अन्य हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मारे गए आतंकवादी की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उसके कब्जे से एक एके-47 राइफल और अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अभियान जारी है। पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। इस दौरान मुठभेड़ शुरू हुई।

सात बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ व एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड की संयुक्त टीम ने दिल्ली-एनसीआर में रह रहे सात अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान दिलावर खान, ब्यूटी बेगम, रफीकुल, तौहीद, मोहम्मद अजहर, जाकिर मलिक और एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस ने इन सभी को लक्ष्मी नगर, लाजपत नगर, कृष्णा नगर, सीमापुरी (दिल्ली) और गाजियाबाद (उप्र) के शालीमार गार्डन में छापेमारी करके पकड़ा है। पुलिस ने फिलहाल विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) दिल्ली की मदद से सभी को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूछताछ में दिलावर खान ने पहले झूठा दावा किया कि वह पश्चिम बंगाल का निवासी है।

प्रशांत क्षेत्र के लिए महामारी की तैयारियों पर क्वाड कार्यशाला शुरू

वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा की रक्षा के लिए मजबूत तैयारी जरूरी : अनुप्रिया

- वैश्विक महामारी से निपटने के लिए स्थापित कोष में 10 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया है
- भारत ने डिजिटल स्वास्थ्य पहलों का नेतृत्व किया है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया सिंह पटेल ने कहा कि हाल के दिनों में उभरते स्वास्थ्य खतरों के कारण वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा की रक्षा के लिए मजबूत तैयारी, बढ़ती निगरानी और अच्छी तरह से समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया तंत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। वैश्विक महामारी से निपटने के लिए स्थापित कोष में 10 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री पटेल सोमवार को नई दिल्ली में हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए महामारी की तैयारी पर क्वाड कार्यशाला का उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रही थीं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय के संयुक्त रूप से आयोजित तीन दिवसीय इस कार्यशाला का उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य आपातकालीन ढांचे को मजबूत करना, स्वास्थ्य खतरों के प्रति तैयारी और तन्यकता को बढ़ाना, उभरती महामारियों के प्रति समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना तथा बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण से मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को संबोधित करते हुए वन हेल्थ दृष्टिकोण का कार्यान्वयन करना है। इस मौके पर केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया ने वैश्विक महामारी से निपटने की तैयारियों और प्रतिक्रिया प्रयासों को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उभरते स्वास्थ्य खतरों के कारण वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा की रक्षा के लिए मजबूत तैयारी, निगरानी और अच्छी तरह से समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया तंत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। पटेल ने कहा कि भारत ने महामारी कोष की स्थापना के लिए 10 मिलियन अमरीकी डॉलर का योगदान दिया है, जिसे विशेष रूप से महामारियों से लड़ने के लिए संकल्पित किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत ने इसके निरंतर कामकाज का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त 12 मिलियन अमरीकी डॉलर देने का संकल्प लिया है। पटेल ने कहा कि भारत ने डिजिटल स्वास्थ्य पहलों का नेतृत्व किया है, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और परिणामों को बेहतर बनाने और टिकाऊ, डेटा-संचालित प्रणाली बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया है। यह प्रयास वर्तमान और भविष्य की स्वास्थ्य और जलवायु चुनौतियों से निपटने में सक्षम स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि एक लचीली और महामारी-तैयार स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने और उसे स्थिर करने की दृष्टि से, भारत ने एक व्यापक स्वास्थ्य आपातकालीन समन्वय ढांचा स्थापित किया है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के भीतर कई प्रमुख पहलों जैसे कि एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी), जूनोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण और रोकथाम (एनवीबीडीसीपी) की स्थापना के माध्यम से रणनीतिक रूप से तैयारी, प्रतिक्रिया और

बीएसएफ ने भारतीय क्षेत्र में घुसी पाकिस्तानी महिला को पकड़ा

जयपुर। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने सोमवार सुबह श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में भारत पाकिस्तान सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसी एक पाकिस्तानी महिला को पकड़ा है। विजेता पोस्ट पर सुबह करीब सात बजे तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसी इस पाकिस्तानी महिला को बीएसएफ के जवानों ने तुरंत हिरासत में ले लिया। महिला ने पाकिस्तान वापस जाने से इनकार कर दिया है। महिला का कहना है कि अगर वह पाकिस्तान लौटती है तो उसे मार दिया जाएगा। बीएसएफ के अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। बीएसएफ और पुलिस सूत्रों ने बताया कि महिला के तारबंदी पार कर भारतीय सीमा में घुसकर 50 मीटर अंदर आते ही विजेता चौकी पर तैनात जवानों ने उसे पकड़ लिया।

कल शाम को धरती पर उतरेगा सुनीता विलियम्स का स्पलैशडाउन

- महज सात दिन का था मिशन

एजेंसी

वॉशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पिछले नौ महीने से ज्यादा समय से फंसीं सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर अच्छी खबर आ गई है। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने रविवार को बताया है कि सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर 18 मार्च की शाम को धरती पर वापस लौटेंगे। नासा ने रविवार शाम को एक बयान जारी कर बताया है कि क्रू-10 का समुद्री स्पलैशडाउन मंगलवार शाम लगभग 5:57 बजे होगा। यानी सुनीता विलियम्स भारतीय समयानुसार 19 मार्च को सुबह 3:30 बजे धरती पर वापस लौटेंगी। बता दें कि इससे पहले उनकी वापसी के लिए बुधवार का समय तय किया गया था। हालांकि मौसम का जायजा लेने के बाद इसे पहले निर्धारित कर दिया गया है। नासा ने बताया है कि स्थिति की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। नासा ने अपने बयान में कहा है कि वह एजेंसी के स्पेसएक्स क्रू-9 की आईएसएस से धरती पर वापसी का लाइव टेलीकास्ट करेगा। इस कार्यक्रम की शुरूआत 17 मार्च सोमवार को रात 10:45 बजे यानी भारत में 18 मार्च को सुबह 8:30 बजे से शुरू होगी। इसकी शुरूआत ड्रैगन अंतरिक्ष यान हैच क्लोजर की तैयारियों से होगी। सुनीता और बुच विल्मोर के साथ उन्हें लाने के लिए क्रू रवाना हुए निक हेग और रोस्कोस्मोस कॉस्मोनॉट अलेक्जेंडर गोरबुनोव भी ड्रैगन कैप्सूल पर वापस आएंगे। इससे पहले रविवार को उन्हें धरती पर वापस लाने के लिए स्पेसएक्स का स्पेस क्राफ्ट क्रू-10 दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचा था। इसके बाद भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स की घर वापसी का रास्ता खुल गया था। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग स्टारलाइनर पर सवार होकर अंतरिक्ष पहुंचे थे। यह मिशन महज एक सप्ताह का होने वाला था। हालांकि अंतरिक्ष यान में आई खराबी की वजह से उनकी वापसी टल गई। इस बीच सुनीता विलियम्स की स्वास्थ्य को लेकर भी कई तरह की चिंताएं सामने आई थीं।

काठमांडू से उत्तर प्रदेश जा रही मिनी बस दुर्घटनाग्रस्त,17 यात्री घायल

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू से उत्तर प्रदेश के रायबरेली की ओर जा रही एक भारतीय मिनी बस सोमवार की सुबह हेटौडा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। बस में सवार सभी 17 यात्रियों के घायल होने की खबर है, जिनमें चार की अवस्था गंभीर बताई गई है हेटौडा के डीएसपी श्याम अर्याल ने बताया कि काठमांडू घूमने आए रायबरेली के यात्री मिनी बस (यूपी-70/एनटी 6917) से वापस जा रहे थे, तभी ब्रेक फेल होने के कारण हेटौडा में इंद्रसरोवर धाराखोलछा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में बस चालक सहित सभी 17 यात्री घायल हो गए हैं। घायलों में चार यात्रियों की अवस्था गंभीर है। पुलिस के मुताबिक गंभीर रूप से घायल रायबरेली जिले के निवासी 55 वर्षीय राज करण तिवारी, 38 वर्षीय जीतेन्द्र प्रताप सिंह, 44 वर्षीय अजय मिश्र और 38 वर्षीय अभय प्रताप सिंह को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी यात्रियों को सामान्य उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है।

नेपाली संसद ने यौन व्यवसाय को कानूनी मान्यता देने का प्रस्ताव

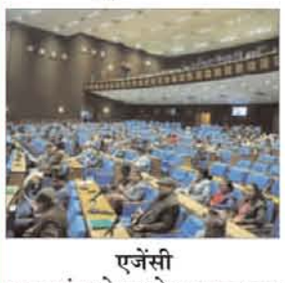

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के प्रमुख सचेतक श्याम घिमिरे ने संसद में यौन व्यवसाय को कानूनी मान्यता देने के प्रस्ताव पेश किया है, जिसका विपक्षी दलों ने जमकर विरोध किया है। नेपाली कांग्रेस के इस प्रस्ताव पर सोमवार को संसद में जानकार हंगामा हुआ है। विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव को संसद के रेकॉर्ड से ही हटाने की मांग की है। सोमवार को नेपाल की संसद में विपक्षी सांसदों ने कांग्रेस के उस प्रस्ताव का जमकर विरोध किया है, जिसमें पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए यौन व्यवसाय को कानूनी मान्यता देने का प्रस्ताव रखा। संसद में कांग्रेस पार्टी के प्रमुख सचेतक घिमिरे ने कहा कि धार्मिक पर्यटकों के नेपाल आने से देश के अर्थतंत्र पर कोई खास फायदा नहीं हो रहा है, क्योंकि धार्मिक पर्यटक अधिक पैसा खर्च नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए यौन व्यवसाय को कानूनी मान्यता देने की आवश्यकता है।

मध्य व पूर्वी अमेरिका में तूफान का कहर, 39 लोगों की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। मध्य और पूर्वी अमेरिका में तूफान ने कहर बरपाया है। अब तक कम से कम से 39 लोगों की मौत हो गई। बवंडर के बीच ओले गिरे हैं। कई जगह बारिश से भी भारी तबाही हुई है। सीएनएन की खबर के अनुसार, शनिवार को ट्यूपेलो में 5.12 इंच बारिश होने से दैनिक बारिश का रिकॉर्ड टूट गया। इससे पहले 15 मार्च, 1973 को 2.82 इंच बारिश हुई थी। बॉलिंग ग्रीन में भी शनिवार को 3.3 इंच बारिश के साथ दैनिक रिकॉर्ड टूट गया। 1922 में 15 मार्च को 2.25 इंच बारिश हुई थी। अलबामा, मिसिसिपी, मिसौरी, अर्कांसस और केंटकी, इंडियाना, साउथ कैरोलिना और पॉलडिंग काउंटी और जॉर्जिया बवंडर से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई जगह हवा की गति 89 मील प्रति घंटे रही।

वेनेजुएला गैंग के सैकड़ों लोगों को अल सल्वाडोर भेजा गया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने अदालती आदेश की परवाह न करते हुए वेनेजुएला गैंग के सैकड़ों लोगों को निर्वासित कर विमान से अल सल्वाडोर भेज दिया। वाशिंगटन के एक संघीय न्यायाधीश ने शनिवार शाम सात बजे से कुछ पहले प्रशासन की निर्वासन प्रक्रिया पर अस्थाई रोक लगा थी। अगले दिन रविवार को विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने घोषणा की कि गिरोह के सदस्य होने के आरोप में सैकड़ों वेन जुएलावासियों को अमेरिका से अल सल्वाडोर भेजा गया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन की खबर के अनुसार, कोर्ट के फैसले के बावजूद ट्रंप प्रशासन ने इस मामले में विदेशी शत्रु अधिनियम की शक्तियों का प्रयोग किया। यह कानून द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी-अमेरिकियों की नजरबंदी में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। वेनेजुएला सरकार ने कल एक बयान में कहा कि अधिनियम को लागू करने का प्रयास 'फिर' से एक अपराध है। सीएनएन की खबर में स्पष्ट किया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने अदालत के फैसले के बावजूद निष्कासन की गति बढ़ाने के लिए युद्धकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया। यह व्हाइट हाउस और न्यायपालिका के बीच नवीनतम नाटकीय टकराव है।

भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति अच्छी, यात्रियों को दे रहे पहले से अधिक सब्सिडी: रेल मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में रेल मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा के दौरान भारतीय रेल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल यात्रियों को किफायती किराए पर सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्थान हासिल कर रही है। जहां हमारे देश में रेलवे का किराया आस-पास के देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के रेल किराए से भी कम है तो वहीं पश्चिमी देशों में रेल किराया तो भारत की अपेक्षा 10-20 गुना अधिक है। रेल यात्रियों दी जा रही सब्सिडी पर रेल मंत्री ने कहा कि अभी ट्रेन से प्रति किलोमीटर यात्रा की लागत 1.38 है, लेकिन यात्रियों से केवल 73 पैसे लिए जाते हैं, यानी 47% सब्सिडी दी जाती है। वित्त वर्ष 2022-23 में यात्रियों को 57,000 करोड़ की सब्सिडी दी गई, जो 2023-24 (प्रोविजनल फिगर) में बढ़कर करीब 60,000 करोड़ हो गई। हमारा लक्ष्य न्यूनतम किराए पर सुरक्षित और बेहतर सेवाएं देना है।रेल विद्युतीकरण के फायदों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि यात्रियों और कार्गो की बढ़ती संख्या के बावजूद ऊर्जा खर्च स्थिर है।

उत्तराखंड में 52 मदरसों पर लगाया गया ताला

- सरकार संविधान प्रदत्त अधिकार छीनने से बाज आए : जमीयत उलेमा ए हिंदजारी

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के एक केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल ने महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी के नेतृत्व में देहरादून का दौरा किया और उत्तराखंड में बंद किए गए 52 मदरसों की स्थिति का जायजा लिया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रभावित मदरसों के ज़िम्मेदारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और कानूनी पहलुओं को समझने का प्रयास किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून में मदरसा अनवरिया हयातुल उलूम और मदरसा अबू बकर सिद्दीक, छोटा भारूवाला का दौरा किया, जो पूरी तरह सील हैं और जिनके मुख्य द्वारों पर सरकारी ताले लगे हुए हैं। मदरसों के ज़िम्मेदारों ने प्रतिनिधिमंडल को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इसी बीच जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रतिनिधियों ने मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष से भी मुलाकात की और पूरी स्थिति को समझने का प्रयास किया। प्रतिनिधिमंडल ने मदरसों के ज़िम्मेदारों को आश्वासन दिया कि जमीयत हर संभव कानूनी और संवैधानिक माध्यमों से उनके अधिकारों की रक्षा करेगी। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि मदरसों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद इस विषय पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही है, जिसके आधार पर जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के निर्देशानुसार आगामी कार्ययोजना तय की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी ने कहा कि धार्मिक मदरसों को भारतीय संविधान की धाराओं के तहत पूर्ण सुरक्षा प्राप्त है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस संबंध में बाल अधिकार आयोग के अध्यक्ष के खिलाफ दायर याचिका पर अंतरिम रोक लगाई थी, जिसमें कहा गया था कि किसी भी धार्मिक मदरसे को बंद नहीं किया जाए। इसके बावजूद उत्तराखंड में मामूली बहानों के आधार पर मदरसों पर ताले लगाना चिंता का विषय है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि इस मामले में मदरसों के ज़िम्मेदारों को कोई लिखित नोटिस भी नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि सरकारों का कर्तव्य कानून लागू करना होता है, न कि लोगों को परेशान करना और उनके अधिकारों का हनन करना।

कृषि निर्यात निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

क्लस्टर से निर्यात करने पर किसान वित्तीय सहायता से होंगे लाभांवित

एजेंसी

मीरजापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में मण्डल स्तरीय कृषि निर्यात निगरानी समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में निर्यात नीति में हुए संशोधनों यथा परिवहन अनुदान, ग्लोबल गैप एवं जैविक खेती सर्टिफिकेशन, एम आर एल टेस्टिंग हेतु अनुदान पर डा0 अमित यादव सहायक कृषि विपणन अधिकारी विन्ध्याचल/वाराणसी मण्डल द्वारा मण्डल के किसान, एफपीओ व निर्यातकों जानकारी दी गई। जैविक क्लस्टर, देसी बाजरी, ताजी सब्जियां के क्लस्टर बनाने का आह्वान करते हुए बताया गया कि क्लस्टर से निर्यात करने पर किसानों को वित्तीय सहायता से लाभान्वित होंगे साथ ही साथ नए क्लस्टर बनाने एवं कृषि निर्यात नीति में नए फसलों को जोड़ने पर चर्चा की गई, कृषि निर्यात नीति में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्यातकों को निर्यात उत्पाद पर परिवहन अनुदान लेने हेतु आग्रह किया गया जैसा कि मण्डल के अन्तर्गत शाश्वत पांडेय भदोही के निर्यातक द्वारा लिया गया है। इसके अतिरिक्त जी आई प्रोडक्ट के

अधिक से अधिक अधिकृत उपयोगकर्ता बनाए जाने हेतु मण्डलायुक्त द्वारा सम्बन्धित उद्यान, कृषि, खाद्य एवं औषधि प्रसाधन विभाग को आदम चीनी चावल, बनारस लंगड़ा आम, बनारस पान पत्ते, रामनगर भाटा, बनारस ठंडई के अधिकृत उपयोग कर्ता बनाने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि अधिकृत उपयोगकर्ता बन जाने पर किसानों को उत्पाद का प्रीमियम मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। जिससे विंध्याचल मण्डल से निर्यात को बढ़ावा मिल सके एवं किसानों के आमदनी बढ़ाई जा सके। इस अवसर पर संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, संयुक्त निदेशक कृषि डा0 अशोक उपाध्याय, संयुक्त आयुक्त उद्योग विरेन्द्र कुमार, अपर आयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रसाधन, सहित पशुपालन मत्स्य, मंडी, उद्यान के मण्डलीय अधिकारी व सहायक कृषि विपणन अधिकारी विन्ध्याचल मण्डल, ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक मीरजापुर मण्डल के किसान, एफ पी ओ व निर्यातक उपस्थित रहे।

नेतान्याहू करेंगे शिन बेट प्रमुख रोनेन बार की छुट्टी

- निरंतर अविश्वास के कारण यह निर्णय लिया गया

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शिन बेट सुरक्षा सेवा के प्रमुख रोनेन बार को हटाने का फैसला किया है। महीनों के तनाव के बाद उन्होंने रोनेन बार से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें सूचित किया कि वह इस सप्ताह सरकार के समक्ष उनके निष्कासन का प्रस्ताव रखेंगे। यह जानकारी प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने रविवार को दी। सीएनएन की खबर के अनुसार, माना जाता है कि शिन बेट सुरक्षा सेवा के प्रमुख रोनेन बार को हटाने के लिए नेतन्याहू को सरकार में बहुमत का समर्थन प्राप्त है। इस बीच एक बयान में रोनेन बार ने कहा कि वह अपना पद छोड़ने से पहले कुछ जिम्मेदारियों को पूरा करने का इरादा रखते हैं।उधर, नेतन्याहू ने रविवार को जारी वीडियो बयान में कहा कि बार के निरंतर अविश्वास के कारण यह निर्णय लिया गया। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में इजराइल के युद्ध लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बार को हटाना जरूरी होगा।

खास खबर

एचसीसी-टाटा प्रोजेक्ट्स को 2,191 करोड़ का ठेका मिला

नई दिल्ली। हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी ने टाटा प्रोजेक्ट्स के साथ साझेदारी में मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) से 2,191 करोड़ रुपये का ठेका प्राप्त किया है। कंपनी ने कहा कि 2,191 करोड़ रुपये का यह ठेका एमपीएमआरसीएल के लिए भूमिगत सुरंगों और स्टेशनों सहित 8.65 किलोमीटर लंबे गलियारे के निर्माण के लिए है। संयुक्त उद्यम में एचसीसी की 55 फीसदी हिस्सेदारी है। बयान के अनुसार पैकेज आईएन-05आर 31.32 किलोमीटर लंबी इंदौर मेट्रो चरण-1 परियोजना का एकमात्र भूमिगत खंड है। बयान में कहा गया कि इस हिस्से में सुरंग खोदने की मशीन (टीबीएम) से 11.32 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण और इंदौर रेलवे स्टेशन, राजवाड़ा, छोटा गणपति, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, बीएसएफ/कलानी नगर और एयरपोर्ट पर सात भूमिगत स्टेशनों का निर्माण शामिल है।

कच्चे तेल का आयात दिसंबर में 11 फीसदी घटा

नई दिल्ली। पिछले साल दिसंबर में भारत ने रूस, सऊदी अरब और कुवैत जैसे पश्चिमी एशियाई आपूर्तिकताओं से कच्चे तेल की आयात में दर्जनों फीसदी की कमी देखी है। वाणिज्य विभाग के अनुसार रूस से कच्चे तेल की आयात में 18.48 फीसदी गिरावट आई है, जो दिसंबर 2023 के मुकाबले 3.92 अरब डॉलर कम है। साथ ही, सऊदी अरब और कुवैत से भी आयात में 43.1 और 38 फीसदी की कमी देखी गई है। दिसंबर से पहले रूस से कच्चे तेल की आवक नवंबर, अक्टूबर और सितंबर में क्रमशः 8 फीसदी, 53 फीसदी और 34.2 फीसदी बढ़ी। बड़ी घरेलू रिफाइनरीज में रखरखाव के काम के कारण योजनाबद्ध तरीके से बंदी की वजह से अगस्त में आयात घटा था।

मारुति सुजुकी अप्रैल से वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को कहा कि वह अप्रैल से अपने वाहनों की कीमतों में चार प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। देश की सबसे बड़ी कार विनिमार्ता कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और परिचालन व्यय के मद्देनजर उनसे अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है। मारुति सुजुकी ने बताया कि कीमत में चार प्रतिशत तक की वृद्धि होगी और यह मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने कहा कि हालांकि लागत बढ़ने के असर को घटाने और ग्राहकों पर इसके प्रभाव को कम करने का प्रयास लगातार किए जा रहे हैं।

सोना-चांदी के दामों में गिरावट

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह नया रिकॉर्ड बनाने के बाद इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरूआती कारोबार में सोने-चांदी के भाव नरम पड़ गए। सोमवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 87,850 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 1,00550 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोन- चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरूआत नरमी के साथ हुई।

ग्राहकों के लिए कावासाकी ने पेश किया शानदार ऑफर

नई दिल्ली। ग्राहकों के लिए कावासाकी कंपनी ने अपनी लोकप्रिय बाइक्स निंजा 300, निंजा 500, एलिमिनेटर 500 और निंजा 650 पर 70,000 रुपये से 1.25 लाख रुपये तक की छूट देने की घोषणा की है। स्पोर्ट्स बाइक खरीदने का सपना देख रहे ग्राहकों के लिए कावासाकी ने शानदार ऑफर पेश किया है। यह ऑफर केवल 2024 में निर्मित मॉडल्स पर लागू होगा और स्टॉक खत्म होने तक वैध रहेगा। कावासाकी की निंजा 300 अब 3.60 लाख रुपये में उपलब्ध होगी, जो पहले 4.29 लाख रुपये की थी। निंजा 500 पर 1.20 लाख रुपये की छूट दी जा रही है, जिससे इसकी कीमत 7.20 लाख रुपये से घटकर 6 लाख रुपये हो गई है।

अदाणी समूह का 2026 में 1.1 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

- ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा कारोबारों में खर्च करेगी यह राशि
- समूह ने विदेशी निवेशकों के समक्ष अपनी इन योजनाओं की रूप-रेखा पेश की
- समूह नए ऋण लेकर सालाना 40,000 करोड़ रुपये के पुराने कर्ज निपटाती है जिससे उसे ब्याज पर औसतन 1.72 प्रतिशत की बचत होती है

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के शीर्ष उद्योग समूहों में शामिल अदाणी समूह ने वित्त वर्ष 2026 में 1.1 लाख करोड़ रुपये निवेश करने का लक्ष्य रखा है। समूह मुख्य रूप से अपने प्रमुख ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा कारोबारों में यह रकम लगाएगी। चालू वित्त वर्ष में समूह ने पूंजीगत व्यय पर लगभग 92,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार अगले वित्त वर्ष में होने वाले कुल पूंजीगत व्यय में 60,000 करोड़ रुपये का इंतजाम आंतरिक स्रोतों से किया जाएगा और शेष रकम शेयर एवं बॉन्ड जारी कर जुटाई जाएगी। वित्त वर्ष 2025 में समूह दीर्घ अवधि के लिए उधार ली जाने वाली रकम पर ब्याज आदि में औसत खर्च 10.4 प्रतिशत से घटाकर 8.1 प्रतिशत करने में सफल रहा है। इससे समूह को सालाना 4,000 करोड़ रुपये बचत हुई है। समूह को उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों के दौरान उसे लागत इसी तरह कम रखने में कोई परेशानी पेश नहीं आएगी और नई उधारी पर पूंजी लागत 75 से 100 आधार अंक कम रह सकती है। वित्त वर्ष 2025 तक समूह की सकल उधारी 2.4 लाख करोड़ रुपये रही जबकि कर्ज 1.85 लाख करोड़ रुपये रहा। समूह नए ऋण लेकर सालाना 40,000 करोड़ रुपये के पुराने कर्ज निपटाती है जिससे उसे ब्याज पर औसतन 1.72 प्रतिशत की बचत होती है। समूह ने विदेशी निवेशकों के समक्ष अपनी इन योजनाओं की रूप-रेखा पेश की। समूह के अधिकारियों ने कहा कि अगले दो दशकों तक यह बचत होती रहेगी।

होंडा मोटरसाइकिल ने लांच की शाइन 100

एजेंसी

रांची। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज अपडेटेड OBD2B-कॉम्प्लाएंट शाइन 100 को जबर्दस्त स्टाइल के साथ पेश किया है। नई 2025 होंडा शाइन 100 की कीमत 68,767 रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) रखी गई है। यह अब पूरे भारत में एचएमएसआई की डीलरशिप?स पर उपलब्ध है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ शत्सुत्सुमु ओटानी ने अपडेटेड शाइन 100 पेश करते हुए कहा, हमें भारत में अपने ग्राहकों के लिए नई OBD2B - कॉम्प्लाएंट शाइन 100 पेश करते हुए खुशी हो रही है। मार्च 2023 में लॉन्च होने के बाद से, शाइन 100 ने एचएमएसआई के मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो में सबसे तेजी से बढ़ते ब्रांडों में से एक के रूप में अपनी जगह बनाई है। एंट्री-लेवल की यह मोटरसाइकिल बहुत भरोसेमंद है, कम पेट्रोल में ज्यादा चलती है, और पैसे के हिसाब से अच्छी है। इसलिए इसे ग्राहकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। नए अपग्रेड के साथ, हमने पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचाने और उच्च गुणवत्ता की गाड़ियां लाने की हमारी प्रतिबद्धता को जारी रखा है। इस घोषणा के बारे में, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के सेल्स और मार्केटिंग के डायरेक्टर योगेश माथुर ने कहा, शाइन 100 एंट्री लेवल के मोटरसाइकिल सेगमेंट में एक मजबूत सवारी है। जो किफायती कीमत पर असाधारण गुणवत्ता और आराम प्रदान करती है।

भारत से स्मार्टफोन निर्यात वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड स्तर पर

अमेरिका बना सबसे बड़ा खरीदार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत से तकनीकी उत्पादों की निर्यात में एक नया इतिहास रच दिया गया है, जैसे कि स्मार्टफोन निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 11 महीनों में 1.75 लाख करोड़ (21 अरब डॉलर) के साथ एक नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इस आंकड़े से स्वतंत्र अनुमानों को भी मात देने वाले हैं। वित्त वर्ष के अब तक के आंकड़ों के अनुसार, देश ने इस स्थिति को एक साफ संकेत के रूप में देखा है कि उत्पादन और निर्यात मोबाइल फोन क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहे हैं। स्मार्टफोन निर्यात में एप्पल का महत्वपूर्ण योगदान भी बताया गया है, जिसमें आईफोन का योगदान लगभग 70 फीसदी रहा है। भारत सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के मुताबिक यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों से 54 फीसदी अधिक है। समृद्धि के माध्यम से देश ने पहचान बनाने के लिए नए दरवाजे खोल दिए हैं और उत्पादन के क्षेत्र में नए संभावित अवसरों का पूरा फायदा उठाने की प्रेरणा मिली है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में स्मार्टफोन निर्यात में एक और उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही की तुलना में 30 फीसदी अधिक है।

यूजेनिक्स हेयर साइंसेज: हेयर ट्रांसप्लांट में नई ऊंचाइयों को छूता नाम

रांची। वैश्विक हेयर ट्रांसप्लांट उद्योग तेजी से वृद्धि कर रहा है, जहां यह बाजार 2032 तक वरू 141.88 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 2018 से 2032 तक 25.2% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की जाएगी। इस बढ़ोतरी का प्रमुख कारण बढ़ती जागरूकता, तकनीकी प्रगति और सेलिब्रिटीज व एथलीट्स सहित हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों के बीच कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं की बढ़ती मांग है भारत में भी हेयर ट्रांसप्लांट क्षेत्र में तेजी से विस्तार हो रहा है, और यूजेनिक्स हेयर साइंसेज इस बदलाव का नेतृत्व कर रहा है। डॉ. प्रदीप सेठी और डॉ. अरिका बंसल द्वारा स्थापित इस प्रतिष्ठित संस्थान ने अब तक 16,000 से अधिक हेयर ट्रांसप्लांट प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूरी की हैं, जिसमें 1,800 से अधिक ग्रेड 6/7 गंजेपन के मामले शामिल हैं। अपने उच्च सफलता दर के कारण यूजेनिक्स एक भरोसेमंद और स्वाभाविक दिखने वाले समाधान की तलाश करने वाले लोगों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन गया है।

फैशन की दुनिया में नए मानक स्थापित करती अभिनेत्री जॉयिता चटर्जी

एजेंसी

मुंबई। अभिनेत्री जोयिता चटर्जी, जो 'क्लास ऑफ 2020', 'बाल वीर' और कई अन्य परियोजनाओं में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, हाल ही में जन्मदिन की छुट्टी के लिए गोवा में थीं। अपनी यात्रा पर, अभिनेत्री ने अपनी छुट्टियों से इंटरनेट पर कुछ मंत्रमुग्ध कर देने वाली और मनमोहक तस्वीरें साझा कीं, जिसने नेटिजन्स को वास्तव में चकित कर दिया। फैशन और भव्यता उनके डीएनए में चलती है और यही कारण है कि, जब भी वह अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दृश्य रूप से रमणीय तस्वीरें साझा करती हैं, तो इंटरनेट वास्तविक रूप से बंकर हो जाता है। जॉयिता के लिए फैशन हमेशा एक सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसलिए जब अभिनेत्री अपने 'चिल जोन' में होती है, तब भी वह यह सुनिश्चित करती है कि वह सर्वश्रेष्ठ दिखें। फैशन की दुनिया में फैशन और नए मानक स्थापित करने के बारे में बात करते हुए जॉयिता ने अपनी हालिया गोवा यात्रा के दौरान एक बार फिर ऐसा करने में कामयाबी हासिल की। क्लासी और सुरुचिपूर्ण मैक्सी ड्रेस और प्रिंटेड आउटफिट्स से लेकर स्टाइलिश ऑरेंज मोनोटोन आउटफिट्स और स्लिट स्कर्ट ड्रेस तक, वह सचमुच हर जगह अपने खेल में शीर्ष पर रही हैं। कला के प्रति उनके रचनात्मक उत्साह और जुनून के कारण, वह अपने आकर्षक स्टाइल स्टेटमेंट्स से प्रभावित करती हैं।

तेलानी रामा में विषकन्या लैला ने तिम्मारासु को मारने की कोशिश की

एजेंसी

मुंबई। सोनी सब के लोकप्रिय शो तेनाली रामा ने अपनी रोचक कहानियों से दर्शकों को लगातार बांधे रखा है। कृष्ण भारद्वाज द्वारा निभाए गए इस महान दरबारी कवि और कुशल रणनीतिकार तेनाली रामा के किरदार ने लोगों का दिल जीत लिया है। हाल ही के एपिसोड्स में विषकन्या लैला फारसी नर्तकी के वेश में विजयनगर के शाही दरबार में प्रवेश करती है, उसका असली मकसद राजा कृष्णदेवराय की हत्या करना है। यह रहस्यमयी पात्र दरबार में जिज्ञासा और रोमांच पैदा कर रहा है। आने वाले एपिसोड्स में तिम्मारासु अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे होते हैं, तभी रामा को कुछ गड़बड़ होने का एहसास होता है। पूरा महल तनाव में आ जाता है और छल एवं सच्चाई के बीच एक रोमांचक टकराव शुरू हो जाता है। क्या तिम्मारासु विषकन्या के घातक वार से बच पाएंगे? क्या रामा असली गुनहगार का पदार्फाश कर पाएंगे, इससे पहले कि किसी और की जान खतरे में पड़ जाए?

टाटा मोटर्स ने टियागो एनआरजी का अपडेटेड वर्जन लांच

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने टियागो एनआरजी का अपडेटेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने अब इसे केवल एक्सझेड ट्रिम में उपलब्ध कराया है, जबकि पहले पेश किया गया एक्सटी ट्रिम अब बंद कर दिया गया है। इस वर्जन की शुरूआती कीमत 7.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। इस अपडेटेड मॉडल को एक नया फ्रंट ग्रिल और हेडलैम्प्स मिले हैं, जिससे इसे ताजगी भरा लुक मिलता है। टियागो एनआरजी को रेगुलर टियागो से अलग दिखाने के लिए कई विजुअल बदलाव किए गए हैं, जिसमें नया फ्रंट बम्पर, फॉग लैंप्स के साथ ब्लैक इंसर्ट्स, और एयर इनटेक वेंट्स के ऊपर ब्लैकेड-आउट ट्रेपेजॉइडल डिजाइन शामिल हैं। इसके अलावा, सिल्वर-कलर्ड फॉक्स स्किड प्लेट भी दी गई है, जिससे यह कार अधिक मस्कुलर दिखती है। इस कार में ब्लैक्ड-आउट रूफ, रूफ रेल्स, ओआरवीएमएस और डोर हैंडल्स के अलावा टिंटेड विंडोज भी शामिल हैं। केबिन में सबसे बड़ा बदलाव 10.2-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जो वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले को सपोर्ट करता है। इसमें नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील दिया गया है, जिसमें सेंटर में इलुमिनेटेड कॉम्पैक्ट लोगो है। सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर का एमआईडी अब पहले से बड़ा हो गया है। इसके अलावा, एसी वेंट्स में भी कुछ बदलाव किए गए हैं और सीटों को चारकोल ब्लैक फैब्रिक अपहोल्स्ट्री में लपेटा गया है, जिससे केबिन पूरी तरह से ब्लैक थीम में नजर आता है। टियागो एनआरजी में 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है।

भारत में सिंपल वन्स इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में सिंपल एनर्जी ने अपना सिंपल वन्स इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया है। ग्राहक सिंपल वन्स को चार रंगों- ब्राइजेन ब्लाक, ग्रेस व्हाइट, अजूर ब्ल्यू और नामा रेड में खरीद सकते हैं। इसकी कीमत 1.39 लाख रुपये एक्स-शोरूम रखी गई है। इस स्कूटर का मुकाबला ओला, अथेर, टीवीएस, बजाज जैसे प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर्स से होगा। इस स्कूटर में 35 लीटर का अंडरसीट स्टोरेज, 770 मिमी सीट हाइट, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, 5जी ई-एसआईएम, वायफाय, 7 इंच का टचस्क्रीन डैशबोर्ड, टर्न बाय टर्न नेविगेशन, ओटीए अपडेट्स, फाइंड माई व्हीकल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, रीजेनेरेटिव और रैपिड ब्रेकिंग सिस्टम और पार्क असिस्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

स्पाइसजेट प्रमुख अजय सिंह एयरलाइन में करेंगे 294 करोड़ रुपये निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पाइसजेट एयरलाइंस के संस्थापक और प्रमोटर अजय सिंह अपनी प्रमोटर समूह कंपनी स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के जरिए एयरलाइन में अतिरिक्त 294.09 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इससे निजी एयरलाइन में प्रमोटर समूह की हिस्सेदारी 29.11 फीसदी से बढ़कर 33.47 फीसदी हो जाएगी। स्पाइसजेट ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि उसके संस्थापक अजय सिंह वारंट को इक्विटी शेयरों में बदलकर प्रवर्तक समूह इकाई के जरिए एयरलाइन में 294 करोड़ रुपये निवेश करेंगे। इसके बाद एयरलाइन में प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी बढ़कर 33.47 फीसदी हो जाएगी। कंपनी के मुताबिक अजय सिंह 13,14,08,514 वारंट को समान संख्या में इक्विटी शेयरों (13.14 करोड़ इक्विटी शेयर) में बदलकर स्पाइसजेट में 294.09 करोड़ रुपये डालेंगे। इस खबर के बाद स्पाइसजेट एयरलाइन के शेयरों में भारी उछाल देखने को मिला है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 6.4 फीसदी बढ़कर 48.40 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा था।

रिलायंस जियो ने आईपीएल सीजन के लिए दिया बड़ा ऑफर

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने आईपीएल सीजन में क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा ऑफर पेश किया है। कंपनी ने कहा है कि जियो का सिम चलाने वाले ग्राहकों को 90 दिन तक हॉटस्टार देखने का मौका मिलेगा, बिना कोई अतिरिक्त पैसा खर्च किए। इसके साथ ही जियो ने जियोफाइबर और एयरफाइबर का भी निःशुल्क ट्रायल ऑफर दिया है। यह ऑफर 17 मार्च से 31 मार्च तक उपलब्ध होगा। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को 299 रुपये या इससे अधिक का रिचार्ज कराना होगा। निर्देशन और शर्तें लागू होंगी। जियोहॉटस्टार का पैक 22 मार्च से एक्टिवेट होगा और 90 दिनों के लिए लागू रहेगा।

आयुष्मान खुराना बने फिट इंडिया आइकन

एजेंसी

मुंबई। युवा आइकन आयुष्मान खुराना को केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आधिकारिक फिट इंडिया आइकन के रूप में नामित किया है। अब वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा बन गए हैं, जिसका उद्देश्य भारत में फिटनेस को जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाना और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। आयुष्मान खुराना को रविवार को दिल्ली में आयोजित फिट इंडिया मूवमेंट के उद्घाटन समारोह में औपचारिक रूप से फिट आइकन घोषित किया गया, जहां उन्हें केंद्रीय मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। अपने दमदार किरदारों और युवाओं के बीच गहरी पकड़ के लिए पहचाने जाने वाले बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने संकल्प लिया है कि वे देश के लाखों लोगों को फिटनेस अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य है कि हर वर्ग के लोग अपनी सेहत और तंदुरुस्ती को प्राथमिकता दें।

फिट इंडिया मूवमेंट का उद्देश्यः
- फिटनेस को आसान, मजेदार और निशुल्क बनाना - यह अभियान साधारण और आनंददायक तरीकों से लोगों को शारीरिक गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाना - नागरिकों को विभिन्न शारीरिक गतिविधियों और सक्रिय जीवनशैली के लाभों बारे में शिक्षित करना। पारंपरिक भारतीय खेलों का पुनरुद्धार और प्रचार भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करना। आयुष्मान खुराना बोलेः जब आपकी सेहत अच्छी होती है।

दूरसंचार विभाग ने लांच किया 5जी हैकाथॉन, विजेता को मिलेंगे पांच लाख रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025 की घोषणा की है। यह छह महीने तक चलेगा, जिसका उद्देश्य सामाजिक और औद्योगिक चुनौतियों के समाधान के लिए अभिनव 5जी-संचालित समाधानों के विकास में तेजी लाना है। यह छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए खुली है। इसमें विजेता को 5 लाख रुपये तक का प्रथम पुरस्कार मिलेगा। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि ये हैकथॉन एआई-संचालित नेटवर्क के रखरखाव, आईओटी-सक्षम समाधान, 5जी प्रसारण, कृषि, स्मार्ट स्वास्थ्य, औद्योगिक स्वचालन, गैर-स्थलीय नेटवर्क, डी2एम, वी2एक्स और क्वांटम संचार जैसे प्रमुख 5जी अनुप्रयोगों पर केंद्रित प्रस्ताव को आमंत्रित करता है। छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए आयोजित यह कार्यक्रम मेंटरशिप, फंडिंग और 100 से अधिक 5जी यूज केस लैब्स तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे प्रतिभागियों को दूरदर्शी विचारों को तकनीक में बदलने में मदद मिलती है। मंत्रालय के मुताबिक इसके लिए 15 मार्च से लेकर 15 अप्रैल 2025 तक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे, 01 अक्टूबर 2025 को अंतिम विजेताओं की घोषणा की जाएगी और हर दो सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट और एक केंद्रीकृत ट्रैकिंग डैशबोर्ड के माध्यम से कार्यक्रम के लक्ष्यों को पूरा किया जाएगा। इसके तहत प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए नेटवर्क स्लाइसिंग, सेवा की गुणवत्ता और कॉल-फ्लो परिदृश्यों जैसी 5जी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हैकथॉन प्रतिभागियों को अपने नवाचारों को अगले स्तर तक ले जाने में मदद करने के लिए कई तरह की सहायता प्रदान करता है। प्रतिभागियों को अपनी आईपी संपत्तियों के व्यावसायीकरण के लिए आईपीआर फाइलिंग में सहायता मिलेगी। संचार मंत्रालय के मुताबिक विजेताओं को प्रथम स्थान के लिए पांच लाख रुपये, उप-विजेता के लिए 3 लाख रुपये और दूसरे स्थान के लिए 1,50,000 रुपये के पुरस्कार मिलेंगे। इसके साथ ही सर्वश्रेष्ठ विचार और सबसे नवीन प्रोटोटाइप को 50-50 हजार रुपये के पुस?कार भी मिलेंगे। इसके अलावा 10 प्रयोगशालाओं को सर्वश्रेष्ठ 5जी यूज केस लैब्स के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र और सर्वश्रेष्ठ विचार के लिए एक प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

फोनपे के इंडस ऐपस्टोर व शाओमी इंडिया ने भारत के डिजिटल इकोसिस्टम को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की

एजेंसी

रांची। भारत का स्वदेशी एंड्रॉइड ऐप मार्केटप्लेस, इंडस ऐपस्टोर ने आज वर्ल्ड टेक्नोलॉजी प्रमुख, शाओमी इंडिया के साथ एक बहु-वर्षीय गठबंधन की घोषणा की। यह सहयोग भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अनुकूलित एक स्थानीय डिजिटल इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए इंडस ऐपस्टोर और शाओमी इंडिया की सहयोग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। भारत में सभी नए शाओमी स्मार्टफोन में इंडस ऐपस्टोर को एकीकृत करके और मौजूदा डिवाइसों पर गेटऐप्स को बदलकर, इंडस ऐपस्टोर का लोगों तक इसकी पहुंच को बढ़ाना है, ऐप की खोज और एक बेहतर यूजर अनुभव को बढ़ावा देना है। प्रिया एम नरसिम्हन, चीफ बिजनेस ऑफिसर, इंडस ऐपस्टोर ने इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए कहा, कि शाओमी इंडिया के साथ हमारी साझेदारी भारतीय मोबाइल यूजर और डेवलपर्स के लिए एक हॉरिजॉन्टल ऐप स्टोर बनाने के हमारे लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। शाओमी इंडिया के साथ साझेदारी करके और उनकी व्यापक पहुंच का लाभ उठाकर, हमारे स्थानीयकृत ऐप डिस्कवरी प्लेटफॉर्म के साथ, हम न केवल डेवलपर्स के लिए दरवाजे खोल रहे हैं, बल्कि यूजर को एक सहज और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक अनुभव भी प्रदान कर रहे हैं। यह साझेदारी भारत के मोबाइल ऐप्स को खोजने और अनुभव के तरीके को बदलने की हमारी दृष्टि की सिर्फ शुरूआत है।

खास खबर

सीएसके टीम के नेट गेंदबाज बने बिहार के मलय राज

मुम्बई । अब बिहार के भागलपुर का एक युवा क्रिकेटर आईपीएल में गेंदबाजी करता दिखेगा। मलय राज नाम के इस तेज गेंदबाज को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपना नेट गेंदबाज बनाया है। ऐसे में अब मलय महेंद्र सिंह धोनी सहित सीएसके के सभी शीर्ष बल्लेबाजों को नेट अभ्यास में गेंदबाजी करते दिखेंगे। मलय का चयन अच्छी गेंदबाजी के कारण हुआ है। आईपीएल 2025 के प्री-सीजन कैंप के लिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र भी दे दिया है।मलय के साथ बिहार के ही जिशान और नजीर भी सीएसके के नेट गेंदबाजों के रूप में शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के यात्रा और अन्य खर्च का वहन सीएसके उठाएगा। मलय ने मुश्ताक अली ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में बिहार की ओर से खेला है। मलय पटना जिले की ओर से क्रिकेट खेलते हैं। मलय की इस शानदार उपलब्धि से उनके परिजन उत्साहित हैं।

कोच चार्लोट ने हरमनप्रीत सहित खिलाड़ियों को दिया जीत का श्रेय

मुंबई । मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच चार्लोट एडवर्डस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मिली खिताबी जीत का श्रेय कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित टीम की गेंदबाजों को दिया है। मुम्बई ने खिताबी मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था। चार्लोट ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विकेट जल्दी लेने से उनकी टीम को जीत मिली। लैनिंग 13 और शेफाली चार रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयी थी और कैपिटल्स का स्कोर 17 रन ही था। इस प्रकार जीत के लिए 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम केवल 141 रन ही बना सकी। चार्लोटने मैच के बाद कहा, ह्यहमें पता था कि 150 रन का लक्ष्य ज्यादा बड़ा नहीं होगा पर फाइनल में यह खराब भी नहीं था। शेफाली अपना आक्रामक प्रदर्शन नहीं कर सकी और मुझे पता था कि उसका विकेट लेने के बाद हमारे लिये अच्छा अवसर है। लैनिंग और शेफाली की शुरूआती साझेदारी हमारे लिये परेशानी थी और उन दोनों को जल्दी आउट करने से हमें सहायता मिली। यह टीम के एकजुट होकर किये प्रयासों का ही परिणाम है। चार्लोट ने 44 गेंद में तेजी से 66 रन बनाने वाली कप्तान हरमनप्रीत की तारीफ करते हुए कहा, ह्यवह शांत होकर खेल रही थी। वह काफी प्रतिस्पर्धी है और एक और खिताब जीतना चाहती थी जिसके लिये उसने पूरा प्रयास किया। इसके अलावा उसने अपने खिलाड़ियों का बेहतर उपयोग किया।

ईशान की इंट्रा-स्क्वाड मैच में आक्रामक बल्लेबाजी

हैदराबाद । पिछले काफी समय में टीम इंडिया से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल के 2025 वें सत्र से पहले अच्छे फार्म में नजर आ रहे हैं। ईशान ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से इंट्रा-स्क्वाड मैच के दौरान शानदार पारियां खेली हैं। ईशान ने अभिषेक शर्मा के साथ शीर्ष क्रम में खेलते हुए केवल 23 गेंदों में ही 64 रन और 30 गेंदों पर 73 रन बना दिये। सनराइजर्स द्वारा सोशल मीडिया में पोस्ट किए गए इस वीडियो में ईशान के जबरदस्त शॉट दिखाये गये हैं। सनराइजर्स को पिछले साल फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में इस बार उसने कई खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम से बाहर करते हुए ईशान किशन जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को टीम से जोड़ा है। ईशान को मेगा नीलामी में सनराइजर्स ने 11.25 करोड़ में खरीदा था। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा के पारी की शुरूआत करने के बाद ईशान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। ईशान किशन इससे पहले मुंबई इंडियंस की टीम की ओर से खेलते थे। उन्होंने 2016 में डेब्यू किया और तब से वे आईपीएल के प्रमुख सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने 105 पारियों में 16 अर्द्धशतकों के साथ 2644 रन बनाए हैं। वह मुंबई इंडियंस के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी थे हालांकि मुम्बई ने उन्हें 2025 के आईपीएल सीजन से पहले रिलीज कर दिया था।

न्यूकैसल यूनाइटेड ने 70 साल बाद जीता घरेलू खिताब

एजेंसी

लंदन : न्यूकैसल यूनाइटेड ने 70 वर्षों का घरेलू ट्रॉफी सूखा समाप्त करते हुए रविवार को वेम्बली स्टेडियम में लीग कप (जिसे काराबाओ कप भी कहा जाता है) के फाइनल में मौजूदा चैंपियन लिवरपूल को 2-1 से हरा दिया। डैन बर्न और अलेक्जेंडर इसाक के गोलों ने न्यूकैसल को ऐतिहासिक जीत दिलाई और जिओर्डी प्रशंसकों के लिए जश्न का माहौल बना दिया। यह न्यूकैसल के लोकल हीरो डैन बर्न के लिए भी खास दिन रहा, जिन्होंने 45वें मिनट में दमदार हेडर के जरिए अपनी टीम को बढ़त दिलाई। न्यूकैसल के प्रशंसकों के जबरदस्त समर्थन के बीच टीम ने सात मिनट बाद ही दूसरा गोल दाग दिया, जब

स्वीडिश स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक ने लिवरपूल के गोलकीपर काओइम्हिन केलहर को छकाते हुए गोल दागा। हालांकि, प्रीमियर लीग के टॉप पर चल रही लिवरपूल ने स्टॉपेज टाइम में इटली के फेडेरिको चिएसा के गोल से वापसी की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और जीत न्यूकैसल के नाम रही। न्यूकैसल ने लिखी नई इतिहास गाथा दो साल पहले न्यूकैसल को लीग कप फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी किस्मत बदल दी। न्यूकैसल के कप्तान ब्रूनो गिमारेस ने ट्रॉफी उठाने से पहले कहा, ह्यह जीत हमारे प्रशंसकों के लिए है। जब मैं यहां आया था, तो मैंने कहा था कि मैं इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना चाहता हूं, और अब हम कह सकते हैं कि हम चैंपियन हैं। दूसरी ओर, लिवरपूल की टीम इस मैच में फीकी नजर आई और पेरिस सेंट-जर्मेन से चैंपियंस लीग में पेनल्टी शूटआउट में हारने के बाद पूरी तरह थकी हुई दिखी। लिवरपूल के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह पहली बार 90 मिनट तक खेलने के बावजूद न तो कोई शॉट ले सके और न ही कोई मौका बना सके। लिवरपूल के मैनेजर अर्ने स्लॉट के लिए यह पहला वेम्बली फाइनल था, जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे। उन्होंने स्वीकार किया, यह निराशाजनक प्रदर्शन था। न्यूकैसल ने वही किया जो वह चाहता था और उसने जीत डिजर्व की।

न्यूकैसल ने शुरू से ही दिखाया दबदबा

मैच की शुरूआत में न्यूकैसल अधिक आक्रामक नजर आया और सैंड्रो टोनाली ने पोस्ट के पास से एक तेज शॉट लगाया। लिवरपूल की टीम पहले हाफ को 0-0 से खत्म करने की कोशिश में थी, लेकिन 45वें मिनट में डैन बर्न ने कीरन ट्रिपियर के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर न्यूकैसल के प्रशंसकों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया। दूसरे हाफ की शुरूआत में ही न्यूकैसल ने फिर से दबाव बनाया और 52वें मिनट में जैकब मर्फी के हेडर को इसाक ने गोल में तब्दील कर दिया। इसाक का यह 23वां गोल था और अब वह न्यूकैसल के नए सुपरस्टार बन चुके हैं। लिवरपूल ने आखिरी क्षणों में वापसी की कोशिश की और कर्टिस जोन्स के एक जोरदार शॉट को न्यूकैसल के गोलकीपर निक पोप ने रोक लिया। हालांकि, चिएसा ने स्टॉपेज टाइम में एक गोल कर लिवरपूल की उम्मीदों को जगाने की कोशिश की, लेकिन अंततः न्यूकैसल ने जीत हासिल की। इस जीत के साथ न्यूकैसल ने 1955 में मैनचेस्टर सिटी को हराकर एफए कप जीतने के बाद पहली बार कोई घरेलू ट्रॉफी अपने नाम की और वेम्बली स्टेडियम में वर्षों के दर्द को समाप्त किया।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 36 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार समारोह के बाद आज बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में वापसी की। हॉकी इंडिया ने इस कैंप के लिए 36 खिलाड़ियों को बुलाया है, जो 28 मार्च तक चलेगा। भारतीय टीम ने हाल ही में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (पुरुष) 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उसने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए आठ मैचों में से पांच में जीत दर्ज की। भारत फिलहाल 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान

पर है, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम क्रमशः 16 अंकों के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। कैंप को लेकर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ह्यखिलाड़ियों के लिए यह काफी व्यस्त सत्र रहा है, जिसमें लगातार प्रतियोगिताएं और उच्च स्तरीय मैच शामिल रहे। इस कैंप में हमारा फोकस फिटनेस और कंडीशनिंग पर रहेगा, साथ ही हालिया प्रदर्शन का विश्लेषण भी किया जाएगा। हमारा ध्यान प्रो लीग के अगले चरण के लिए टीम को तैयार करने पर रहेगा और मैं देखना चाहूंगा कि कुछ युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को कैसे साबित करते हैं।

संभावित कोर ग्रुप

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनहल्लि शशिकुमार। **डिफेंडर्स :** जर्मनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, अमनदीप लकड़ा, नीलम संजीप, वरुण कुमार, यशदीप सिवाच। **मिडफील्डर्स:** राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, मोहम्मद रहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, पूवन्ना सीबी। **फॉरवर्ड्स:** अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको, सेल्वम कार्ति, शिलानंद लकड़ा, दिलप्रीत सिंह, उत्तम सिंह।

युवाओं के लिए आगे बढ़ने का बड़ा अवसर है खेलो इंडिया पैरा गेम्स : नवदीप सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली : पैरालिंपिक खेल 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप सिंह का मानना है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स पैरा एथलीटों के निरंतर विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, और यह देश में पैरा खेलों को बढ़ावा देने में सरकार की गहरी दिलचस्पी को दशार्ता है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी 2025) का दूसरा संस्करण गुरुवार (20 मार्च) से शुरू होने वाला है। अर्जुन पुरस्कार विजेता एथलीट ने बताया कि कैसे यह टूर्नामेंट पैरा एथलीटों के लिए खेल इकोसिस्टम विकसित करने में मदद कर रहा है। नवदीप ने साई मीडिया से कहा, केआईपीजी 2025 वरिष्ठ एथलीटों के लिए एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का एक बेहतरीन मंच है। हम हर समय एक-दूसरे को प्रेरित भी करते हैं। यह हमें अपने प्रशिक्षण मॉड्यूल का परीक्षण करने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले अपनी ताकत और कमजोरियों का अभ्यास करने में मदद करता है। हमें नवोदित एथलीटों से मिलने और प्रतियोगिताओं पर अलग-अलग

विचारों और विचारों का आदान-प्रदान करने का भी मौका मिलता है। उल्लेखनीय है की नई दिल्ली में तीन स्थानों - जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम और डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज - में सात दिवसीय टूर्नामेंट में 1200 से अधिक एथलीट भाग लेंगे। खेलो इंडिया पैरा गेम्स का उद्घाटन संस्करण दिसंबर 2023 में हुआ और सफल साबित हुआ। केआईपीजी के पहले संस्करण में भाग लेने वाले कम से कम 25 एथलीट पेरिस में 2024 पैरालिंपिक के लिए।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश को पीसीबी ने भेजा कानूनी नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के 30 वर्षीय ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अनुबंध उल्लंघन के मामले में कानूनी नोटिस भेजा है। बॉश ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) 2025 से अपना नाम वापस ले लिया था, जिसके बाद ढउइ ने यह कदम उठाया। आईपीएल में चयन के बाद पीसीएल से हटे बॉश कॉर्बिन बॉश को आगामी आईपीएल 2025 के लिए मुंबई इंडियंस ने लिजाड विलियम्स की जगह टीम में शामिल किया है। लिजाड विलियम्स चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बॉश पहले पीसीएल 2025 में पेशावर जल्मी के लिए खेल रहे थे, लेकिन आईपीएल में अवसर मिलने के बाद उन्होंने पीसीएल से

नाम वापस ले लिया।

पीसीबी का आधिकारिक बयान

पीसीबी ने रविवार को जारी किए गए बयान में कहा, ह्यखिलाड़ी को उसके एजेंट के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजा गया है और उससे अनुबंधित प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने की वजह स्पष्ट करने के लिए कहा गया है। पीसीबी ने यह भी स्पष्ट किया कि बॉश के इस कदम से लीग पर क्या असर पड़ेगा, यह भी नोटिस में उल्लेख किया गया है। बोर्ड ने यह भी कहा कि पीसीबी निर्धारित समय के भीतर खिलाड़ी की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा करेगा।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर पर भड़का पीसीबी कानूनी नोटिस भेजा

लाहौर । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीएसएल) का अनुबंध तोड़ने वाले दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश पर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भड़क हुआ है। पीसीब ने इसी कारण बॉश को एक कानूनी नोटिस भी दिया है। पीसीबी के अनुसार इस अफ्रीकी खिलाड़ी ने अनुबंध का उल्लंघन किया है। बॉश को 13 जनवरी को लाहौर में आयोजित पाकिस्तान सुपर लीग ह्यप्लेयर्स ड्राफ्टह्व के 10वें चरण के दौरान डायमंड श्रेणी में पेशावर जाल्मी द्वारा शामिल किया गया था। वहीं इस महीने की शुरूआत में इंडियन प्रीमियर लीग की एक टीम मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीका के चोटिल लिजाद विलियम्स की जगह बॉश को टीम में शामिल कर लिया।

मेसी के गोल से 2-1 की इंटर मियामी ने हासिल की जीत

एजेंसी

नई दिल्ली । अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत इंटर मियामी ने रविवार को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस की तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 2-1 से हराकर पिछले सत्र के प्लेऑफ में मिली हार का बदला ले लिया। वेटरन हैती इंटरनेशनल फाफा पिको ने 89वें मिनट में हेडर के जरिए निर्णायक गोल दागा, जिससे मियामी ने इस सत्र में अपनी अजेय लय को बरकरार रखा।

अटलांटा ने की थी तेज शुरुआत

अटलांटा ने मैच की शुरूआत में ही इंटर मियामी पर दबाव बना दिया और 11वें मिनट में आइवरी कोस्ट के इमैनुएल लाटे लाथ ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल मिगुएल अल्मिरोन के एक शानदार पास से बना, जिसे ब्रूक्स लेनन ने क्रॉस में तब्दील किया और लाथ ने हेडर के जरिए गेंद को नेट में डाल दिया।

मेसी ने बराबरी का गोल किया

हालांकि, मियामी को बराबरी करने में ज्यादा समय नहीं लगा। 20वें मिनट में अटलांटा के पोलिश मिडफील्डर बार्टोज सिल्स्ज की गलती का फायदा उठाते हुए मेसी ने गेंद छीन ली। उन्होंने डिफेंडर डेरिक विलियम्स को छकाते हुए शानदार फिनिशिंग के साथ गेंद को गोलकीपर ब्रैड गुजान के ऊपर से नेट में डाल दिया।

पिको के हेडर से मियामी की जीत

दूसरे हाफ में मियामी ने कई मौके बनाए, लेकिन अटलांटा के अनुभवी गोलकीपर ब्रैड गुजान ने शानदार बचाव किया। 65वें मिनट में उन्होंने मेसी के एक शानदार शॉट को रोका। हालांकि, 89वें मिनट में मियामी को विजयी गोल मिल ही गया। पूर्व बार्सिलोना स्टार जोर्डी आल्बा ने दाईं ओर से एक सटीक क्रॉस दिया, जिसे फाफा पिको ने हेडर के जरिए नेट में डालकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

अन्य एमएलएस मैचों के नतीजे

एमएलएस के अन्य मैचों में नैशविल एससी ने फिलाडेल्फिया यूनियन को 3-1 से हराया, जिससे ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस की अंक तालिका में फिलाडेल्फिया दूसरे स्थान पर खिसक गया। वहीं, वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस में मौजूदा चैंपियन लॉस एंजेल्स गैलेक्सी ने पोर्टलैंड के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर इस सत्र का पहला अंक हासिल किया। गैलेक्सी अभी भी तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है।

ब्राउनली सबसे अधिक उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले बने खिलाड़ी

एजेंसी

मुम्बई । अधिकतर क्रिकेटर 40 की उम्र तक तक पहुंचते-पहुंचते संन्यास ले लेते हैं। वहीं आपकों जानकार हैरानी होगी की एक क्रिकेटर ने 60 से अधिक की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मैथ्यू ब्राउनली सबसे अधिक उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने हैं। 62 साल के ब्राउनली ने पिछले सप्ताह ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में कोस्टा रिका के खिलाफ फॉकलैंड द्वीप समूह की ओर से खेला था। था। इस प्राकर ब्राउनली पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में सबसे

उम्रदराज डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले ये रिकार्ड उस्मान गोकर के नाम था। गोकर ने 59 साल की उम्र में डेब्यू किया था। गोकर ने अगस्त 2019 में इलफोव काउंटी में एक टी20आई मैच में रोमानिया के खिलाफ 59 साल की उम्र में तुर्की के लिए अपना पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेला था। अपने पूरे करियर के दौरान, ब्राउनली ने तीन टी20 मैच खेले हैं, जिसमें तीन पारियों में छह रन बनाए हैं, जिसमें दो नाबाद पारी भी शामिल हैं। उन्होंने केवल एक ओवर फेंका है और अभी तक अपना पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय मैच में डेब्यू के साथ ही ब्राउनली सबसे अधिक उम्र में क्रिकेट मैच खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले इंग्लैंड के जेम्स साउथर्न, पाकिस्तान के मीरान बख्श और भारत के रुस्तमजी जमशेदजी ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ी उम्र में डेब्यू किया था पर इन सभी की उम्र 50 से कम थी।

लक्ष्मण ने मां के जन्मदिन पर रामलला के किये दर्शन

अयोध्या । पूर्व क्रिकेटर वी वी एस लक्ष्मण अपनी मां के जन्मदिन के अवसर पर परिवार सहित अयोध्या पहुंचे और उन्होंने रामलला के दर्शन किए। लक्ष्मण अपने पूरे परिवार बड़े भाई, माता, पिता और बहन के साथ अयोध्या पहुंचे। मंदिर में पूजा अर्चना करने के साथ ही वह परिवार सहित सरयू नदी की आरती में भी शामिल हुए। मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद लक्ष्मण श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से भी मिले। इस दौरान चंपत राय ने लक्ष्मण का भव्य स्वागत किया और उन्हें एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने उमरान मलिक के स्थान पर चेतन सकारिया को किया साइन

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया को उमरान मलिक के स्थान पर टीम में शामिल किया है। उमरान मलिक, जिन्हें गत चैंपियन टीम ने 75 लाख रुपये में खरीदा था, एक अज्ञात चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। 27 वर्षीय चेतन सकारिया को केकेआर ने पिछले सीजन में भी टीम में शामिल किया था, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके बाद, वह पिछले साल हुई

मेगा नीलामी में नहीं बिक सके थे। हालांकि, अब उन्हें बतौर रिप्लेसमेंट खिलाड़ी 75 लाख रुपये में टीम में जगह मिली है। सकारिया ने आईपीएल में अब तक तीन सीजन (2021-23) में 19 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8.43 की इकॉनमी से 20 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने अपने कद्दछ करियर की शुरूआत राजस्थान रॉयल्स के साथ की थी और 2022 में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बने थे। टी20 क्रिकेट में उनके नाम कुल 46 मैचों में 7.69 की बेहतरीन इकॉनमी से 65 विकेट दर्ज हैं।

भारत ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर जीता इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का खिताब

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली । रायपुर में रविवार रात खेले गए इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण के फाइनल में भारत ने वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के लिए अंबाती रायुडू ने 50 गेंदों में 74 रनों की शानदार पारी खेली और टीम को 149 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें पहले सचिन तेंदुलकर और फिर

गुरकीरत सिंह मान व युवराज सिंह का साथ मिला। रायुडू ने पूरे मैदान में बेहतरीन शॉट लगाए, जबकि तेंदुलकर ने स्ट्राइक रोटेट करते हुए एक शानदार अपर कट खेलकर छक्का जमाया। हालांकि, उनकी पारी ज्यादा लंबी नहीं चली और टीनो बेस्ट ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। इसके बाद, रायुडू और गुरकीरत ने पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि, भारत ने जल्दी-जल्दी तीन विकेट गंवाए, लेकिन युवराज सिंह और स्टुअर्ट बिन्नी ने 18वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले, वेस्टइंडीज के लिए ड्वेन स्मिथ ने 35 गेंदों में 45 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, लेकिन उन्हें कप्तान ब्रायन लारा और विलियम पर्किन्स का अधिक सहयोग नहीं मिला। भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को रन बनाने में कठिनाई दी। लेंडल सिमंस ने 41 गेंदों में 57 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली और टीम को 150 के करीब पहुंचाया, लेकिन यह स्कोर भारत को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था।

सिंगापुर में स्पेन के सर्जियो गार्सिया गोल्फ खिताब जीतने के बाद टीम के साथियों के साथ जश्न मनाते हुए।

आमिर को क्यों हुआ गौरी से प्यार

कहा- मैं उसे 25 सालों से जानता हूं, लेकिन दो साल पहले...

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। आमिर ने फाइनली अपनी संग अपने रिश्ते को ऑफीशियली अनाउंस कर दिया है। एक्टर ने 13 मार्च को अपने प्री-बर्थडे मीट एंड ग्रीट में अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से मीडिया को मिलवाया। इसी के बाद से ही आमिर और गौरी सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे में गौरी ने मीडिया से मुलाकात के दौरान बताया कि वह अपने पार्टनर में क्या चाहती हैं और उन्होंने आमिर को क्यों चुना?

आमिर खान के प्री-बर्थडे मीट में गौरी स्प्रैट ने मीडिया से कहा, 'मैं ऐसा व्यक्ति चाहती थी जो काइंड, जेन्टल और परवाह करने वाला हो।' आमिर ने चुटीले अंदाज में जवाब दिया, 'और इन सबके बाद, तुम्हें मैं मिल गया?' आमिर गौरी को 25 सालों से जानते हैं, हालांकि, वे एक-दूसरे के संपर्क में नहीं थे। सिर्फ दो साल पहले, वे फिर से जुड़े और प्यार में पड़ गए। आमिर ने कहा, 'मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में था जिसके साथ मैं शांत रह सकूं, जो मुझे शांति दे। और वो गौरी थी।'

'मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में था जिसके साथ मैं शांत रह सकूं'

गौरी, जिनका इंडस्ट्री से कोई खास जुड़ाव नहीं है। उन्होंने आमिर की ज्यादातर फिल्में नहीं देखी हैं। आमिर ने बताया, 'वह बैंगलोर में पली-बढ़ी है और उसे अलग-अलग तरह की फिल्मों और कलाओं से लगाव है। इसलिए वह हिंदी फिल्में नहीं देखती। उसने शायद मेरा काम भी ज्यादा नहीं देखा है।' ऐसे में गौरी कहा कि सालों पहले उसने 'दिल चाहता है' और 'लगान' देखी है। जब आमिर से पूछा गया कि क्या गौरी की फिल्मों से दूरी ने उनके रिश्ते को बनाए रखा है, तो आमिर ने जवाब दिया, 'वह मुझे सुपरस्टार के तौर पर नहीं बल्कि एक पार्टनर के तौर पर देखती हैं।' हालांकि, आमिर चाहते थे कि वह 'तारे जमीन पर' देखें।

संजीदा शेख की तस्वीरों को देख कुछ लोगों को लगी मिर्ची

टीवी एक्ट्रेस और 'हीरामंडी' वेब सीरीज में दमदार एक्टिंग करने वाली संजीदा शेख ने हाल ही में अपनी कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर कीं, लेकिन कुछ लोगों को उनका बिंदास अंदाज रास नहीं आया। कुछ लोग उन्हें रमजान का भी हवाला देने लगे और उन्हें ट्रोल करने लगे। संजीदा शेख टीवी की फेमस एक्ट्रेस हैं। उन्होंने बीते दिनों संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपनी दमदार एक्टिंग से भी दर्शकों का दिल जीता। उन्होंने हाल ही में अपनी कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर कीं, लेकिन वो नेटिजन्स के निशाने पर आ गई। लोगों ने रमजान तक की नसीहत दे डाली। आइये जानते हैं कि आखिर क्यों कुछ लोग इतना भड़क गए हैं! संजीदा शेख ने करीब पांच दिन पहले इंस्टाग्राम पर अपने फोटोशूट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। पीले रंग की ड्रेस में वो बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। लेकिन कुछ लोगों को उनका ये बिंदास अंदाज रास नहीं आया और उन्हें ट्रोल करने लगे। संजीदा के पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा, 'मुस्लिम के नाम पर कलंक हो। रमजान में सुधर जाओ।' दूसरे ने लिखा, 'बस रमजान का ख्याल करो बच्चा।' दूसरे ने कॉमेंट किया, 'रोजे रख रही है या सिर्फ फोटोशूट चल रहा है।' हालांकि, संजीदा के फैंस उनपर भर-भरकर प्यार लुटा रहे हैं और उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक ने तो कहा कि वो 40 साल की लगती ही नहीं हैं। संजीदा पर्सनल लाइफ के कारण खूब सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने साल 2012 में बॉयफ्रेंड आमिर अली से शादी की थी। साल 2020 में खुलासा हुआ कि कपल की एक बेटी भी है, जिसका जन्म सरोगेसी से हुआ है। बेटी का नाम आयरा अली है। शादी के 8 साल बाद कपल अलग हो गया और 2021 में इनका तलाक हो गया। संजीदा को अपनी बेटी की कस्टडी मिली है।

रोजलिन ने हिना खान के लिए लिखी पोस्ट

रोजलिन खान और हिना खान बीते कुछ वक्त से लगातार सुर्खियों में हैं। रोजलिन का दावा है कि हिना खान अपनी कैंसर की बीमारी को लेकर झूठी खबरें उड़ा रही हैं।

रोजलिन का दावा है कि वह खुद भी एक कैंसर सर्वाइवर रह चुकी हैं, उन्होंने सोशल मीडिया पर कई बार हिना खान को लताड़ा है और अब फिर एक बार उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर हिना खान का नाम लिए बगैर उन्हें घेरा है। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम एक्ट्रेस हिना खान के लिए रोजलिन ने लिखा, झूठ के खिलाफ आवाज मत उठाओ वरना तुम्हें ट्रोल किया जाएगा, गालियां दी जाएंगी और बेइज्जत किए जाओगे।

श्श्श... ग्रुपिज्म चल रहा है। रोजलिन यहीं पर नहीं रुकीं, उन्होंने कड़े शब्दों में हिना खान की बीमारी पर तंज कसते हुए लिखा, इनका कैंसर ही खत्म नहीं हो रहा, दिन रात बस एक ही न्यूज है 9 महीने से। कोई है तो बस इसको पद्मश्री दे दो। दुनिया का सबसे बड़ा कैंसर पर, तो मीडिया राहत की सांस ले, और कुछ और काम करे। पापाराजी के लिए बहुत बुरा फील होता है। बता दें कि एक तरफ रोजलिन बीते कुछ वक्त से लगातार हिना खान को लताड़ती रही हैं, वहीं दूसरी तरफ YRKKH फेम एक्ट्रेस ने एक बार भी उन पर पलटवार नहीं किया है।

बता दें कि बिग बॉस फेम एक्ट्रेस हिना खान अभी मक्का में हैं और उमराह कर रही हैं।

एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।

हिना खान ने अपने उमराह की तस्वीरें भी इंस्टा पर पोस्ट की हैं। एक्ट्रेस ने ये तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ₹अलहम्दिलुल्लाह उमराह 2025। मुझे यहां बुलाने के लिए तेरा शुक्रिया अल्लाह। अविभूत हूं और निशब्द हूं, ऊपर वाला मुझे पूरी तरह ठीक कर दे।

अभिषेक ने बताया क्यों नहीं करते सेक्स वाले सीन्स

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। पिछले कुछ समय से ऐश्वर्या राय के साथ उनके तलाक की अफवाहों ने खूब जोर पकड़ा था।

हालांकि, इसके बाद दोनों को कई इवेंट में साथ देखा गया, तो फैंस ने अंदाजा लगाया कि दोनों के बीच सब सही है। हाल ही में अभिषेक की मोस्ट अवेटेड फिल्म बी हैप्पी ओटीटी पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में बाप-बेटी की रोचक कहानी दिखाई गई है। अभिषेक बच्चन के फैंस जानते होंगे कि इन दिनों एक्टर ज्यादा इंटीमेट सीन्स वाली फिल्मों को पसंद नहीं कर रहे हैं। ऐसे में हर कोई जानना चाहता है कि एक्टर ऐसा किस वजह से करते हैं। अब खुद अभिनेता ने अपनी फिल्मों के च्वाइस के बारे में खुलकर बात की है।

बिग बी के बेटे और बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन फिल्मों से जुड़ी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी समझते हैं। द क्विंट को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इंटीमेट सीन्स के बारे में बात की।

एक्टर ने कहा, 'अगर कोई सीन जरूरत से ज्यादा बोल्ड या इंटीमेट होता है, तो मैं उसमें सहज महसूस नहीं करता। मैं स्क्रीन पर गलती से भी ऐसी चीजें नहीं दिखाना चाहता हूं। अगर मैं अकेले में बैठकर भी कोई शो देखता हूं और उसमें बहुत ज्यादा इंटीमेट सीन दिखाए गए हैं, तो मुझे अजीब महसूस होता है।'

बेटी को नहीं कराना चाहते असहज महसूस

उन्होंने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा, 'जब से मैं बेटी का पिता बना हूं, तो वहीं फिल्में चुनना पसंद करता हूं, जिन्हें मैं अपनी बेटी के साथ बैठकर देख सकता हूं। अभिषेक का कहना है कि वह ऐसा किसी नियम के तहत नहीं कर रहे हैं, लेकिन मैं ऐसा बिल्कुल भी नहीं चाहता हूं कि मेरी बेटी मुझे ऐसे सीन्स में देखकर असहज महसूस करें।' अभिषेक बच्चन ने पिता की कहानी के बारे में बात करते हुए फीवर एफएम के इंटरव्यू में कहा, 'पुरुष अक्सर अपनी भावनाओं को अच्छे से प्रकट नहीं कर पाते हैं। हमारा मानना होता है कि हमें अपनी जिम्मेदारियां चुपचाप निभानी चाहिए। एक पिता कभी भी मां की जगह नहीं ले सकता है, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल भी नहीं होता है कि आप पिता की तमाम कोशिशों को अनदेखा कर दें।'

"मैं स्क्रीन पर गलती से भी ऐसी चीजें नहीं दिखाना चाहता हूं: अभिषेक बच्चन"

'पुष्पा 3: द रैम्पेज' में अल्लू अर्जुन और सुकुमार के कारण हो रही देरी!

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 3' से जुड़ा अपडेट आया है। 'पुष्पा 2' की सक्सेस के बाद अब मेकर्स 'पुष्पा 3' की तैयारी में लग गए हैं। 'रॉबिनहुड' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान 'पुष्पा' के प्रोड्यूसर रविशंकर ने 'पुष्पा 3' की रिलीज डेट का ऐलान किया है। आइए आपको बताते हैं कि 'पुष्पा' का तीसरा पार्ट दुनियाभर के सिनेमाघरों में कब दस्तक दे सकता है। 'पुष्पा द राइज' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस से 267.55 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। वहीं वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस से फिल्म ने 350.1 करोड़ रुपये की कमाई की थी। 'पुष्पा 2: द रूल' की बात करें तो इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस से 1234.1 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस से 1742.1 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, फिल्म निर्माता रविशंकर ने बताया कि इस वक्त अल्लू अर्जुन के पास दो फिल्में हैं- पहली फिल्म का निर्देशन एटली कर रहे हैं और दूसरी फिल्म त्रिविक्रम डायरेक्ट कर रहे हैं। वहीं 'पुष्पा' के निर्देशक सुकुमार, राम चरण की अगली फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। ऐसे में जब सुकुमार और अल्लू अर्जुन दोनों फ्री हो जाएंगे तब 'पुष्पा 3' पर काम शुरू किया जाएगा। ये फिल्म 2028 में रिलीज हो सकती है। फिल्म के संवाद लेखक श्रीकांत विसा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि 'पुष्पा 3' में विलेन के रूप में बॉलीवुड के बड़े स्टार को लाने की कोशिश की जा रही है।

अमिताभ ने FY 2024-25 में कमाए 350 करोड़ रुपये

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन बीते कुछ समय से 'कौन बनेगा करोड़पति 16' की शूटिंग में व्यस्त थे। हाल ही में वह शो खत्म हुआ और एक्टर की कमाई को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई। बिग बी पिछले कुछ दिनों में कई प्रॉपर्टी खरीद और बेच चुके हैं। जनवरी में ही उन्होंने अयोध्या में पिता हरिवंश राय बच्चन के मेमोरियल के लिए जमीन खरीदी थी। अब खबर है कि इन्होंने 2024-25 में कितनी कमाई की है। 'पिंकविला' की रिपोर्ट के मुताबिक, अमिताभ बच्चन ने फाइनैंशियल ईयर 2024-25 में करीब 350 करोड़ रुपये की मोटी कमाई की है। जिसमें 120 करोड़ रुपये टैक्स बनता है। 82 साल के एक्टर भारतीय सिनेमा में तो अपनी अभी भी छाप छोड़ रहे हैं। साथ ही वह ज्यादातर ब्रांड्स की पहली पसंद भी बने हुए हैं।

राशा थडानी ने मां रवीना टंडन संग 'उई अम्मा' पर किया डांस

साल 2025 स्टार किड राशा थडानी के लिए काफ़ी रोमांचक साल रहा है। अपनी मां रवीना टंडन के नक्शेकदम पर चलते हुए राशा ने इस साल की शुरुआत में 'आजाद' से अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने अपने ट्रैक 'उई अम्मा' पर पूरे देश को नचाया, जिसमें उनकी सबसे अच्छी दोस्त तमन्ना भाटिया भी शामिल थीं।

राशा ने महाकुंभ की यात्रा करने से पहले अपने 12वें ज्योतिर्लिंग के दर्शन भी किए। अब वो अपने बर्थडे को खास तरीके से मना रही हैं। राशा ने 2025 में अपना 20वां जन्मदिन मनाया। स्टार किड ने अपनी खूबसूरत मां के साथ खूबसूरत काले रंग की ड्रेस पहनकर डांस भी किया। एक बार फिर, राशा थडानी ने अपने पहले से ही चार्टबस्टर हिट गाने 'उई अम्मा' पर डांस फ्लोर पर धूम मचा दी।

ईशा गुप्ता ने विराट कोहली-रोहित शर्मा को कहा 'मैनियाक'

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए मार्च काफी शानदार साबित हुआ। 2025 के इस महीने में टीम ने जहां ICC चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। वहीं 22 मार्च से IPL के 18वें सीजन की शुरुआत भी होने वाली है। मगर उसके पहले एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को एक टाइटल दिया है। और बताया है कि वह इन्हें खेलते हुआ देखती हैं तो रो पड़ती हैं। ईशा गुप्ता ने 'फिल्मीज्ञान' से बातचीत में उन्होंने अपने गाने 'मैनियाक' के बारे में बात की। इसी दौरान उन्होंने चैम्पियंस ट्रॉफी के बारे में भी बात की। वहां उन्हे बताया गया का कि जब पाकिस्तान और भारत का मैच था तो विराट कोहली ने शतक लगाया था और लोगों ने क्रिकेटर के लिए 'मैनियाक' गाना बजाया था।

10 साल बाद री-रिलीज होगी 'बाहुबली - द बिगनिंग'

साउथ के सुपरस्टार एक्टर प्रभास की फिल्म 'बाहुबली - द बिगनिंग' के बारे में खबर है कि 10वीं एनिवर्सरी पर इसे मेकर्स सिनेमाघरों में री-रिलीज करने जा रहे हैं। फिल्म की री-रिलीज को लेकर कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन अभी तक नहीं आई है, लेकिन बॉलीवुड गलियारों में चर्चा है कि एस.एस. राजामौली की यह फिल्म 10 जुलाई 2025 को ग्रैंड अंदाज में थिएटर्स में री-रिलीज की जाएगी। फिल्म 2015 में आई थी और इसे दर्शकों को बेशुमार प्यार मिला था जिसके बाद 'बाहुबली - द कनक्लूजन' ने कमाई के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। ग्लूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की 10वीं एनिवर्सरी पर इसे री-रिलीज किया जाना लगभग कन्फर्म है। राजामौली की यह फिल्म भारतीय सिनेमा जगत के इतिहास में एक लैंडमार्क साबित हुई थी जिसने साउथ सिनेमा को एक नई उड़ान दी। प्रभास के अलावा फिल्म में राणा दग्गुबाती, अनुष्का शेट्टी और तमन्ना भाटिया ने अहम किरदार निभाए थे जिसे दर्शकों को बेशुमार प्यार दिया। लेकिन एक सवाल यह भी है कि क्या राजामौली भी कई फिल्ममेकर्स की तरह 'बाहुबली' की रिलीज के साथ इससे जुड़े किसी नई कड़ी का ऐलान करेंगे? मालूम हो कि इस फिल्म को बनाने में राजामौली और उनकी टीम ने कई नियम तोड़े और यहां तक कि फिल्म कम्यूनिटी भी उनके खिलाफ हो गई थी।

ओसामा बिन लादेन था अलका याग्निक का नंबर-1 फैन

बॉलीवुड की सबसे मशहूर गायिका अलका याग्निक 1980-90 दशक की स्टार हैं। जिनकी आवाज आज भी कानों में गूंजती है। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही अपना सिंगिंग करियर शुरू कर दिया था और सफलता माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर स्टरर फिल्म 'तेजाब' के गाने 'एक दो तीन' से मिली थी। इनके उस समय भी और आज भी लाखों-करोड़ों फैन हैं। इसमें एक नाम आतंकी ओसामा बिन लादेन का भी नाम है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि ओसामा बिन लादेन सिंगर अलका याग्निक का नंबर 1 फैन था। जब 2011 में CIA ने एबटाबाद में ओसामा के ठिकाने पर छापा मारा था तो उन्हें उसके कंप्यूटर पर बॉलीवुड के कई हिट गाने मिले थे।

सैकड़ों बायर्स ने लगाये डब्लूटीसी पर ठगी के आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सैक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में डबल्यू टी सी बिल्डर के सताए करीब

350 लोगों द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस दौरान उन्होंने बताया गया कि हमारा 350 लोगों का एक समूह है, जिन्होंने डबल्यू टी सी बिल्डर की फरीदाबाट में एक प्लॉट स्कीम में निवेश किया है, जहाँ डबल्यू टी सी फरीदाबाद इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ने फरीदाबाद सेक्टर 110 और 114 में सुनिश्चित रिटर्न के साथ प्लॉट आवंटित करने का आश्वासन दिया था, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद किसी भी बायर्स को डबल्यू टी सी समूह द्वारा न तो प्लॉट दिया गया और न ही सुनिश्चित रिटर्न दिया गया।

डबल्यू टी सी बिल्डर अपने वादे पूरा ना किए जाने के बाद पीड़ित बायर्स ने बिल्डर के खिलाफ़ धरना प्रदर्शन भी किया,लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रेसवार्ता के दौरान बायर राज ने बताया की वर्ष 2024 के जुलाई माह में भूटानी इंफ्रा और डबल्यू टी सी बिल्डर के बीच समझौता हुआ और पीड़ित बायर्स से वादा किया गया कि किसी का भी हक नहीं मारा जाएगा और पीड़ित बायर्स को नई शर्तों के साथ नया समझौता दिया गया। इस दौरान कुछ बायर्स को नवंबर और दिसंबर माह में कुछ अमाउंट रिफंड भी दिया गया साथ ही अन्य किसी प्रोजेक्ट में योग्य स्थान देने का वादा किया गया।

प्रेसवार्ता के दौरान बायर्स ने बताया कि समझौते के बाद उन्हें उम्मीद जगी थी लेकिन जनवरी से उन्हें भूटानी बिल्डर द्वारा भी नहीं समझौते के तहत किए गए उनके वादे भी पूरे नहीं किया जा रहे हैं, ऐसे में बायर्स का कहना है कि संबंधित सरकारी एजेंसियां और विभाग इस मामले में आगे आए और अपने जीवन भर की जमा पूंजी बिल्डर को देने वाले इन बायर्स को न्याय दिलाया जाए

आपको बता दें कि डबल्यू टी सी बिल्डर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद और दिल्ली में करीब 12 से भी अधिक प्रोजेक्ट है,जिसमें करीब 20,000 से भी अधिक निवेशक है डबल्यू टी सी के प्रमोटर आशीष भल्ला द्वारा सभी परियोजनाओं के निवेशकों के साथ अरबों रुपए की हेरा फेरी की गई है, जिसकी जांच फिलहाल ईडी द्वारा की जा रही है और प्रमोटर आशीष भल्ला 14 दिन की डिमांड पर है।

डब्लूटीसी के किसी भी लेन-देन के लिए भूटानी ग्रुप जिम्मेदार नहीं: आशीष भूटानी

नोएडा (चेतना मंच)। भूटानी ग्रुप के वरिष्ठ सुमंत बनर्जी ने कहा कि डब्लूटीसी द्वारा किये गये किसी भी तरह के लेनेदन के लिए भूटानी ग्रुप जिम्मेदार नहीं है।

उन्होंने कहा कि भूटानी ग्रुप डब्लूटीसी के खरीदारों की शुरू से ही मदद करना चाह रहा था, इसी को ध्यान में रखते हुए हमनें उनके उनके साथ समझौता किया था, लेकिन हमने देखा की डब्लूटीसी के मैनेजमेंट के द्वारा बायर्स के साथ गलत व भ्रामक कमिटमेंट किए गए है। समझौते के दौरान भूटानी ग्रुप ने डब्लूटीसी से किसी भी तरह की न तो कोई लैंड खरीदा है और ना ही कोई धनराशि प्राप्त की है। इसके अलावा कई और भी खामियां देखने को मिली जिसकी वजह से हमने जनवरी 2025 में ही डब्लूटीसी के साथ अपने सभी तरह के समझौते समाप्त कर दिया था।

लिहाजा भूटानी ग्रुप का डब्लूटीसी अब कोई संबंध नहीं है, और डब्लूटीसी के द्वारा किए गए किस भी तरह लेन-देन के लिए भूटानी ग्रुप जिम्मेदार नहीं है।

सेक्टर-11 में 350 लोगों ने कराई जांच

नोएडा (चेतना मंच)। आरडब्ल्यूए सेक्टर-11 और लायंस क्लब दिल्ली नोएडा के सहयोग से नोएडा डायबिटिक फोरम द्वारा रविवार को सेक्टर 11 स्थित कम्युनिटी सेंटर में सेक्टर वासियों के लिए एक हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। जो की सुबह 9 बजे से 2 बजे तक चला। इसमें 55 डॉक्टरों की टीम ने तकरीबन 350 लोगों की जांच की।

डॉक्टरों ने जनरल फिजिशियन, हड्डी, कैल्शियम, लंग्स, बीपी, शुगर, गायनोलॉजिस्ट, आंख, नाक, गला, दांत, ईसीजी आदि की जांच की। लायंस क्लब द्वारा एक 12 दिवसीय ड्राइव चलाई गई थी जिसमें ज्यादा चलने वाले तीन व्यक्तियों को इनाम दिया गया। जिसमें पहला इनाम सुमित अग्रवाल को दूसरा विकास बंसल और तीसरा इनाम राजीव मित्तल को मिला। एक स्पेशल अवार्ड मिला नेत्रपाल जी को, जो कि पैरों की समस्या से ग्रसित होने के बावजूद एक लाख कदम चले। जिस कारण उन्हें स्पेशल अवार्ड दिया गया।

इस अवसर पर कैंप को सफल बनाने में नितिन गुप्ता, राघव अग्रवाल, आलोक गुप्ता, संदीप अग्रवाल, राजीव मित्तल, विकास बंसल, अनुज गुप्ता, दिनेश कृष्णन, एस सी अग्रवाल, सतीश कुमार, राहुल द्विवेदी, संजय वर्मा, रामचंद्र, चंद्रेश शर्मा, तुषार गोयल आदि ने अपना विशेष सहयोग दिया।

'शब्दभेदी बाण' की याद ताजा कर दी ज्ञानश्री स्कूल के बच्चों ने

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-127 में स्थित ज्ञानश्री स्कूल के

बच्चों ने बड़ा कमाल का काम किया है। नोएडा के इन बच्चों की आंखों पर काली पटटी बांधी गई। बच्चों की आंखें पूरी तरह से बंद थीं। बंद आंखों के बावजूद इन बच्चों ने ना केवल किताब पढ़ी बल्कि गणित के मुश्किल प्रश्नों को भी बंद आंखों से ही हल कर डाला और तो और इन अदभुत प्रतिभावान बच्चों ने बंद आंखों के दौरान ही जटिल से जटिल चित्रों तथा पेंटिंग को भी पहचान लिया।

नोएडा के सेक्टर-127 में ज्ञानश्री स्कूल में बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए नए-नए प्रयोग किए जाते हैं। इसी कड़ी में स्कूल ने अध्यात्म साधना केन्द्र के साथ मिलकर सुपरब्रेन प्रोग्राम चला रखा है। सुपरब्रेन प्रोग्राम के तहत विशेष प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों ने स्कूल के अध्यापकों, अभिभावकों तथा दर्शकों को चमत्कृत कर दिया है।

नोएडा के ज्ञानश्री स्कूल में सुपरब्रेन प्रोग्राम के छात्रों ने आंखों पर पट्टी बांधकर पढ़ने का अद्भुत प्रदर्शन किया—एक ऐसा कार्य जिसे असंभव माना जाता है, लेकिन इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने इसे चौंकाने वाली सटीकता के साथ कर दिखाया। पूरी तरह से आंखें ढकी होने के बावजूद, उन्होंने किताबें पढ़ीं, वस्तुओं की पहचान की और यहां तक कि कपड़ों के रंग व डिज़ाइन भी बताए। एक अन्य हैरान कर देने वाले प्रदर्शन में, छात्रों ने गणितीय प्रश्नों और पहेलियों को पलक झपकते ही हल कर दिया। ज्ञानश्री स्कूल के प्रवक्ता वीरेन्द्र मलिक ने बताया कि यह प्रभावशाली प्रदर्शन अध्यात्म साधना केंद्र द्वारा प्रदान किए गए कठोर प्रशिक्षण का प्रमाण था। यह संस्था विशेष ध्यान तकनीकों, न्यूरोप्लास्टीक विधियों और संगठित मानसिक प्रशिक्षण के माध्यम से मानवीय क्षमता को उजागर करने के लिए समर्पित है। सुपरब्रेन प्रोग्राम के अंतर्गत प्रशिक्षित इन प्रतिभाशाली छात्रों ने इस कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। यह वही विधि है जो अब ज्ञानश्री स्कूल में भी संचालित की जा रही है, जिससे यहां के छात्रों को भी समान रूप से उन्नत मानसिक क्षमताएँ विकसित करने का अवसर मिलेगा।

दो परिवारों के घरों को रोशन कर दिया नोएडा पुलिस ने

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा कमिश्नरी पुलिस ने दो परिवारों में अचानक आई मुसीबत से परिवारों को बसाया। दरअसल नोएडा कमिश्नरी के क्षेत्र में पड़ने वाले दो अलग-अलग परिवारों के बच्चे लापता हो गए थे। नोएडा कमिश्नरी पुलिस के जवानों ने तेजी से एक्शन करते हुए दोनों परिवारों के बच्चों को तलाश कर परिजनों को सौंप दिया। बच्चे गायब हो जाने से अंधेरे में डूबे हुए दोनों ही परिवारों में वापस रोशनी लौट आई। दोनों ही परिवार नोएडा पुलिस की भरपूर सराहना कर रहे हैं।

नोएडा पुलिस कमिश्नरी के मीडिया सेल ने बताया कि थाना बिसरख पर सूचना प्राप्त हुई कि दो नाबालिग बच्चे उम्र करीब 17 वर्ष व 14 वर्ष निवासीगण ग्राम पतवाडी, थाना बिसरख, गौतमबुद्धनगर बिना बताये घर से कही चले गये है। उक्त दोनो बच्चे मानसिक रूप से विक्षिप्त है तथा

काफी तलाश करने के बाद भी बच्चो के बारे में कुछ पता नही चल रहा है। उक्त सूचना प्राप्त होते ही थाना बिसरख पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए बच्चो की तलाश हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक की गयी तथा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस व तकनीकी साक्ष्यों की सहायता से जानकारियां एकत्र की गयी। पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास करते हुए दोनो बच्चो को दिनांक 16.03.2025 को जनपद गाजियाबाद से सकुशल तलाश कर लिया गया एवं उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि दोनो बच्चे रास्ता भटककर गाजियाबाद चले गए थे। बच्चो के परिजनों द्वारा थाना बिसरख पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए प्रशंसा की जा रही है।

नोएडा पुलिस कमिश्नरी के मीडिया सेल ने जानकारी दी है कि नोएडा के थाना फेस-2 पर सूचना प्राप्त हुई कि एक बच्चा उम्र करीब 4 वर्ष जो अपने घर से खेलते-खेलते कहीं चला गया है, काफी तलाश करने के बाद भी उक्त बच्चा मिल नही पा रहा है। थाना फेस-2 पुलिस द्वारा बच्चे की तलाश हेतु तत्काल टीम गठित कर आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक की गयी एवं अथक प्रयास करते हुए उक्त बच्चे को सकुशल तलाश कर लिया गया।

अपने खोये हुए बच्चे को सकुशल पाकर बच्चे के परिजनों द्वारा थाना फेस-2 पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए लगातार सराहना की जा रही है।

31 मार्च के बाद क्रियाशील न मिला रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तो निरस्त होगी लीज डीड!

नोएडा (चेतना मंच)। 300 वर्ग मीटर या इससे अधिक क्षेत्रफल के आवासीय, औद्योगिक संस्थागत, वाणिज्यिक व ग्रुप हाउसिंग के भूखंडों

सीईओ ने मातहत अफसरों को दिये कड़ी कार्रवाई के निर्देश

में रेनवाटर हार्वेस्टिंग क्रियाशील नहीं पाया गया तो उनकी लीजडीड भी निरस्त हो सकती है। यह चेतावनी दी नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने।

समीक्षा बैठक में चर्चा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि 31 मार्च के बाद निरीक्षण में यदि वाटर हार्वेस्टिंग क्रियाशील नहीं पाये गये तो कड़ी कार्यवाही होगी।

प्राधिकरण द्वारा नौएडा क्षेत्र के समस्त प्रकृति के ऐसे भूखण्ड़ों, जिनका क्षेत्रफल 300 वर्ग मी0 अथवा उससे अधिक है, के स्वामियों तथा ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं की ए.ओ.ए. /आर.डब्लू ए. से यह अपेक्षा की जाती है कि उनके द्वारा 31 मार्च तक अपने-अपने परिसरों में निर्मित रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की सफाई कराते हुए क्रियाशील अवस्था में ला दिया जाये। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने यह निर्देश दिये

कि 31 मार्च के उपरान्त समस्त वर्क सर्किल के सहा0 प्रबन्धकों द्वारा 300 वर्ग मी0 अथवा उससे अधिक क्षेत्रफल के समस्त प्रकृति के भवनों में यह निरीक्षण किया जायेगा कि स्थल पर रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम क्रियाशील है अथवा 2द्व्य 7 यदि स्थल पर रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम क्रियाशील नही पाया जाता है, तो लीज डीड एवं भवन विनियमावली में दी गयी शर्तों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी, जिसमें भूखण्डों का आवंटन निरस्त किया जाना भी सम्मिलित है।